वर्ष-24 अंक: 233
हैदराबाद,
मूल्य: 5/-
कुल मुद्रित पृष्ठ : 08
बुधवार,
28 अक्टूबर 2026

हिंदी दैनिक समाचार पत्र
PRGI NO: TELHIN/2000/04452

आकाश ज्योति

सच की रोशनी, हर घर तक!
AKASH JYOTI – HINDI DAILY NEWSPAPER



PUBLISHED FROM TELANGANA , TAMIL NADU, VIJAYAWADA, BENGALURU, KOCHI, MUMBAI

कुंभ से पहले नासिक में बना 'शंखनाद' का वर्ल्ड रिकॉर्ड

517 लोग शामिल हुए, पिछला रिकॉर्ड 303 लोगों का था



मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नासिक में रविवार को 517 श्रद्धालुओं ने एक साथ शंख बजाकर गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बनाया। यह कार्यक्रम गोदावरी नदी के किनारे हुआ। यह आयोजन सिंहस्थ कुंभ मेले के ध्वजारोहण समारोह से पहले किया गया। प्रतिभागियों ने पांच मिनट 30 सेकंड तक शंख बजाए। आयोजकों के मुताबिक, कार्यक्रम के लिए चेन्नई से खास तौर पर प्रमाणित शंख मंगाए गए थे। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के सीनियर जज ऋषि नाथ ने देवमामलेदार यशवंत महाराज पटांगण में रिकॉर्ड की घोषणा की। इससे पहले एक साथ शंख बजाने का रिकॉर्ड 2019 में अमेरिका के न्यू जर्सी में 303 लोगों के नाम था।

ध्वजारोहण में शामिल होंगी राष्ट्रपति मुर्मू

कमिश्नर शेखर सिंह ने कहा कि इस पहल से परंपरा को कुंभ मेले की शुभ शुरुआत से जोड़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने बताया कि 31 अक्टूबर को ध्वजारोहण समारोह के समय 251 प्रतिभागी शंख बजाएंगे। कुंभ मेले का ध्वजारोहण समारोह 31 अक्टूबर को दोपहर 12.02 बजे रामकुंड में होगा। इस समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया गया है। इसी कार्यक्रम में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का प्रमाणपत्र भी सौंपा जाएगा। 20 महीने तक चलने वाले कुंभ मेले के 44 मुहूर्त नासिक में और 53 मुहूर्त त्र्यम्बकेश्वर में स्नान के हैं।

अरुणाचल प्रदेश में 40-50 किमी अंदर घुसे चीनी सैनिक

● कांग्रेस का बड़ा दावा, सेना बोली-घुसपैठ के दावे वाला वीडियो पूरी तरह फर्जी

ईटानगर (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बोसिराम सिरम ने दावा किया है कि अपर सुबनसिरी जिले में चीनी सैनिक भारतीय सीमा के 40-50 किलोमीटर अंदर तक घुस आए हैं। उन्होंने कहा कि सीमा पर कई जगह भारतीय और चीनी सैनिक आमने-सामने हैं, जिससे सैनिकों की गश्त और स्थानीय लोगों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी का हवाला देते हुए सिरम ने जुलाई के आखिरी हफ्ते में सैनिकों के बीच हाथापाई और लाठी चलने की घटनाएं होने का दावा किया। दूसरी ओर, भारतीय सेना ने अरुणाचल प्रदेश में चीनी कब्जे के दावे को लेकर वायरल एक वीडियो को फर्जी बताया। आर्मी ने कहा कि वीडियो अक्टूबर 2023 में जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस के फुटेज से छेड़छाड़ करके बनाया गया है।



सीमावर्ती इलाकों का दौरा करने के बाद कांग्रेस ने लगाए आरोप

बोसिराम सिरम के नेतृत्व में कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने 26 से 29 अगस्त तक अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों का दौरा किया था। इसमें कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष और पूर्व गृह मंत्री तांगा बयालिंग और अपर सुबनसिरी के सांसद जारोडुम क्री भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ईटानगर से नाचो होते हुए लाइमकिंग और तक्षिंग तक पहुंचा। यहां सदस्यों ने स्थानीय लोगों से बातचीत की। सिरम ने दौरे के बाद कहा कि सीमा पर चीनी सैनिकों की गतिविधियों की जांच होनी चाहिए। सिरम के मुताबिक, स्थानीय लोग अब उन इलाकों में पहले की तरह नहीं जा पा रहे हैं, जहां वे याक चराने, जंगलों से जरूरी चीजें जुटाने और शिकार के लिए जाते थे।

कांग्रेस ने केंद्र से निष्पक्ष जांच की मांग की

सिरम ने घुसपैठ के दावों को खारिज करने वाले राज्य के मुख्यमंत्री, गृह मंत्री और केंद्रीय रक्षा मंत्री के बयानों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों की शिकायतों को अफवाह बताकर खारिज करने के बजाय उनकी जांच होनी चाहिए। सिरम के मुताबिक, कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात का समय मांगा था, ताकि उन्हें सीमा की स्थिति के बारे में बताया जा सके, लेकिन अनुमति नहीं मिली। उन्होंने केंद्र सरकार और रक्षा मंत्रालय से सीमा की वास्तविक स्थिति की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

सेना ने घुसपैठ के वायरल वीडियो को फर्जी बताया

वहीं भारतीय सेना के मुताबिक, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया के नाम से दावा किया गया कि चीन ने अरुणाचल प्रदेश के असाफिला, लॉन्गजू और तक्षिंग सर्किल पर कब्जा कर लिया है और भारतीय सैनिकों को जरूरी सामान नहीं मिल रहा है। सेना ने कहा कि वीडियो 27 अक्टूबर 2023 को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस का एडिटेड वर्जन है। उस समय मेजर जनरल गिरीश कालिया ने नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिशों की जानकारी दी थी।

संक्षिप्त समाचार

भगवान वाल्मीकि ने हमें दुनिया का पहला महाकाव्य दिया

● सीएम योगी ने महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर सपा-कांग्रेस को घेरा

कानपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिठूर में सोमवार को एक जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को निशाना बनाया। उन्होंने महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर अयोध्या का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने अयोध्या का विकास नहीं किया। अयोध्या को गंदा बनाकर रखा। उन्होंने कहा कि भगवान महर्षि वाल्मीकि ने हमें रामायण, दुनिया का पहला महाकाव्य दिया। उन्होंने कहा कि, भगवान राम और निषाद राज की मित्रता जब तक रहेगी, कांग्रेस और सपा के राज का स्वाहा होना तय है। सीएम योगी ने कहा कि, हम अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करते हैं। हम यह मानकर चलते हैं कि इस धरती के प्रति, सनातन धर्म के प्रति, भारत भूमि के प्रति यदि किसी का योगदान है, उसके प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारा दायित्व बनता है। उस दायित्व का निर्वहन करने के लिए हम लोग निरंतर कार्य करते हैं। भगवान महर्षि वाल्मीकि ने हमें रामायण, दुनिया का पहला महाकाव्य दिया। तो हम लोगों ने भी प्रयास किया कि महर्षि वाल्मीकि के प्रति श्रद्धा को व्यक्त करने का माध्यम क्या बनेगा।



'दिमागी नक्सल' और 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से दूर रहें

● बंगाल सीएम शुभेंन्दु बोले- कॉकरोचों को पनपने न दें

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने सोमवार को कहा कि'दिमागी नक्सल', 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' और कॉकरोचों को पनपने न दें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़े हों। सुवेंदु ने यह बातें तमलुक में भाजपा के पार्टी कार्यालय के भूमि पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही। दो दिन में यह दूसरी बार है जब सुवेंदु ने कॉकरोच पार्टी पर निशाना साधा। रविवार को भी रामनगर में एक कार्यक्रम में सुवेंदु ने कहा था कॉकरोच, खटमल जैसी बुराइयां कोरोना वायरस की तरह फैलने की कोशिश कर रही हैं। इन्हें कीटनाशक स्प्रे 'हिट' से ही खत्म किया जा सकता है। ममता सरकार ने तुष्टीकरण की राजनीति की। ममता को राष्ट्रवाद की कोई समझ नहीं थी और वह राज्य को 'ग्रेटर बांग्लादेश' में बदलने की योजना बना रही थी। 34 साल तक शासन करने वाले वामपंथी और 15 साल तक सत्ता में रही टीएमसी सरकार ने लोगों की विरासत और संस्कृति को मिटाने की कोशिश की।



मुंबई की लाइफलाइन 'लोकल' में आई तकनीकी खराबी

संचालन गड़बड़ाया,इंतजार के बाद यात्री ट्रैक पर चलने को हुए मजबूर

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में मुलुंड और ठाणे स्टेशनों के बीच ओवरहेड केबल पर तार लटके मिलने के कारण सेंट्रल रेलवे की लोकल ट्रेन सेवाएं बाधित हो गई हैं। यात्रियों को मुलुंड और नाहुर के बीच पटरियों पर चलते देखा गया। सेंट्रल रेलवे के पीआरओ स्वप्निल नीला ने कांजुरमार्ग में सिग्नल फेल होने की घटना की पुष्टि की है। उन्होंने कहा है कि इसके कारण विक्रोली और भांडुप के बीच सेंट्रल रेलवे का परिचालन बाधित हो गया था। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि मुंबई की सेंट्रल लाइन में प्रॉब्लम आने से लोकल ट्रेनों का संचालन रुका। बड़ी संख्या में यात्रियों को ट्रैक पर चलते हुए देखा जा रहा है। मुंबई में लोकल से लाखों लोग प्रतिदिन सफर करते हैं। आर्थिक नगरी में यह परिवहन का सबसे बड़ा साधन है। यह छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से शुरू होकर कसारा और खोपोली तक जाती है। कल्याण जंक्शन पर आकर यह दो हिस्सों (कसारा रूट और कर्जत-खोपोली रूट) में बंट जाती है। सेंट्रल रेलवे के मुंबई डीआरएम ने एक्स पर लिखा है कि कांजुरमार्ग में एक तार हटाने के लिए ब्लॉक और रिले रूम में धुआं निकलने की घटना के कारण, ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुई हैं और गाड़ियां अपने निर्धारित समय से देरी से चल रही हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि कृपया इस असुविधा के लिए धैर्य रखें। उन्होंने कहा है कि हुई असुविधा के लिए हमें खेद है। सोमवार को अचानक सुबह लोकल के ठप पड़ने से लोगों को दिक्कत हुई। दफ्तर और काम पर जाने वाले हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। ट्रेनें लेट हो गईं। एक साथ दो तकनीकी गड़बड़ी ने लोकल पर संचालन को बुरी तरह से प्रभावित किया।



ज्ञानेश कुमार को हटाएं, 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा

● राहुल गांधी ने दिल्ली के व्यापारियों से कह दी है बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रामलीला मैदान में एक नवंबर को होने वाली विपक्षी दलों की रैली पर कमेंट किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में दिल्ली के व्यापारियों को संबोधित करते हुए अपनी बात रखी। राहुल गांधी ने व्यापारियों से कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहिए कि वो आरोपी नंबर 4 ज्ञानेश कुमार को हटाएं तो विपक्ष का आंदोलन 30 सेकंड में रुक जाएगा। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक वीडियो शेयर करते हुए पोस्ट में दिल्ली के व्यापारियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस उनकी बात सुन रही है और उनके साथ खड़ी है। राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि कांग्रेस दिल्ली के हर व्यापारी के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि हम आपसे प्यार करते हैं, आपकी बात सुन रहे हैं। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि मेट्रो सरकार ने बंद की, सड़कें सरकार ने सील की, राजधानी पर ताला सरकार ने लगाया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया कि जब वोट ही चोरी हो जाए, तो कुछ भी सुरक्षित नहीं- न आपकी दुकान, न आपकी बचत, न आपके बच्चों का भविष्य। कांग्रेस सांसद ने व्यापारियों से कहा कि पीएम मोदी से कहिए- आरोपी नंबर 4, ज्ञानेश कुमार को हटाएं, 30 सेकंड में आंदोलन रुक जाएगा।



दिल्ली-पटना से बेंगलुरु तक बीजेपी का 'हल्लाबोल'

● खरगे के 'बाप' वाले बयान पर बवाल, माफी की मांग ● राजनाथ सिंह ने बयान को अशोभनीय और दुखद बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी पर की गई टिप्पणी के विरोध में बीजेपी ने सोमवार को सभी राज्यों में पार्टी मुख्यालयों पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बीजेपी ने खरगे के बयान को अशोभनीय और अपमानजनक बताते हुए उनके तत्काल इस्तीफे की मांग की है। यह विवाद रविवार को पटना में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान शुरू हुआ, जब भीड़ में से किसी ने कहा कि मोदी कहीं नहीं जाएंगे। इस पर पलटवार करते हुए खरगे ने मंच से कहा कि मोदी का बाप भी जाएगा। इस बयान का वीडियो सामने आते ही दोनों दलों के बीच सियासी घमासान तेज हो गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए एक विवादित बयान के विरोध में बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने देश के विभिन्न राज्यों और महानगरों में सड़कों पर उतरकर व्यापक प्रदर्शन किया। बिहार की राजधानी पटना में बीजेपी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जोरदार नारेबाजी करते हुए विरोध मार्च निकाला और कांग्रेस अध्यक्ष का पुतला फूंका। वहीं जम्मू में कार्यकर्ताओं ने खरगे के पोस्टरों को आग के हवाले कर कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ आक्रोश जताया। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में भी बीजेपी ने एक बड़ा विरोध प्रदर्शन कर खरगे से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की। इसके अलावा दिल्ली, मुंबई, रांची, कोलकाता और लखनऊ समेत देश के कई अन्य प्रमुख शहरों में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने समन्वित तरीके से प्रदर्शन कर कांग्रेस पार्टी और उनके अध्यक्ष के खिलाफ तीखा विरोध दर्ज कराया।



सबसे पुरानी पार्टी के अध्यक्ष का बयान स्तब्ध करने वाला

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने खरगे के बयान की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री के दिवंगत पिता को लेकर की गई टिप्पणी से स्तब्ध और आहत हैं। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुखद है... सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह टिप्पणी किसी साधारण कार्यकर्ता या युवा नेता ने नहीं, बल्कि खुद को देश की सबसे पुरानी पार्टी बताने वाली कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की है। रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि गलती मानने और खेद जताने के बजाय कांग्रेस नेता इस बयान का बचाव करने और इसे सही ठहराने में लगे हैं, जिससे लोगों की भावनाएं और ज्यादा आहत हो रही हैं। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने खरगे के साथ-साथ राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हम राहुल गांधी की अपरिपक्वता के बारे में पहले से जानते थे, लेकिन अब लगता है कि बुरी संगत के असर से पार्टी के बाकी वरिष्ठ नेता भी उसी रंग में रंग गए हैं। जोशी ने कहा कि कांग्रेस के लोग हताश और निराश हो चुके हैं और सार्वजनिक जीवन से दूर जा चुके दिवंगत माता-पिता का नाम घसीटकर भारतीय संस्कृति और मर्यादा को तार-तार कर रहे हैं।

'फाइटर एसेट्स' का नहीं होगा कोई स्थाई बंटवारा

विदेशी मॉडल की नकल नहीं करेंगे,आईएएफ चीफ का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एपी सिंह ने एक बार फिर से थिएटराइजेशन योजना पर राय दी है। रविवार को एक साक्षात्कार में बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय वायु सेना लड़ाकू संपत्तियों को भौगोलिक आधार पर स्थायी रूप से बांटने के पक्ष में नहीं है। उन्होंने विदेशी मॉडलों की नकल करने के बजाय, भारत की विशिष्ट सुरक्षा जरूरतों के अनुरूप एक ढांचा तैयार करने की वकालत की। सामाचार एजेंसी को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि थिएटराइजेशन का मुख्य सिद्धांत यह होना चाहिए कि जहां जरूरी हो वहां सेंट्रलाइज्ड कंट्रोल हो और जहां उचित हो वहां डिसेंट्रलाइज्ड एग्जीक्यूशन हो। उन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का हवाला देते हुए कहा कि वायु शक्ति (एयर पावर) सैन्य नतीजों को निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकती है।



थिएटराइजेशन आजादी के बाद भारत का सबसे बड़ा सैन्य सुधार

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि इसे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और तीनों सेना प्रमुखों द्वारा स्थापित एक संयुक्त ढांचे के तहत अंजाम दिया गया था, जिसमें महत्वपूर्ण संसाधनों का केंद्रीकृत आवंटन और उनका तेजी से पुनः आवंटन निर्णायक साबित हुआ। 2019 में घोषित थिएटराइजेशन योजना को आजादी के बाद भारत का सबसे महत्वाकांक्षी सैन्य सुधार माना गया है। इसका उद्देश्य तीनों सेनाओं को एक साथ लाकर उनके बीच बेहतर तालमेल और कार्यक्षमता स्थापित करना है।

दुनिया में हाल के संघर्ष ने वायु सेना की ताकत को साबित कर दिया

वायु सेना प्रमुख ने आगे कहा कि दुनिया भर में हाल के संघर्षों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि हवाई ताकत सैन्य नतीजों को कितनी निर्णायक रूप से प्रभावित कर सकती है। यही वजह है कि हवाई ताकत को किस तरह व्यवस्थित किया जाए, यह सवाल इतना महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने इस परियोजना के लिए सेना का दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए कहा कि हम लड़ाकू संसाधनों को भौगोलिक आधार पर स्थायी रूप से बांटने की कवायद के रूप में नहीं देख रहे हैं। आईएएफ संयुक्त कार्यप्रणाली (जॉइंटनेस) और एकीकरण (इंटीग्रेशन) के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

भारत में ई 100 फ्लेक्स फ्यूल वाहनों को हरी झंडी

● सरकार बोली-कच्चे तेल का आयात और प्रदूषण घटेगा



नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश में 100 फीसदी एथेनॉल से चलने वाले फ्लेक्स-फ्यूल व्हीकल्स (ई100) के लिए नए नियम जारी कर दिए हैं। सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स में संशोधन यानी बदलाव करते हुए सरकार ने ई 100 फ्यूल को मंजूरी दे दी है। नए नोटिफिकेशन के तहत एमिशन प्रोविजन में ई 85 फ्यूल के साथ अब ई 100 को भी शामिल कर लिया गया है। देश में हरित ईंधन और प्रदूषण मुक्त परिवहन को बढ़ावा देने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है।

हिन्दी दैनिक
आकाश ज्योति

संक्षिप्त डायरी

ग्लोबल सिटी में देश की सबसे ऊंची इमारत बनाने की तैयारी

एजेंसी

गुरुग्राम। द्वारका एक्सप्रेसवे के किनारे 1003 एकड़ में ग्लोबल सिटी विकसित की जा रही है। इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर के आधुनिक शहर के रूप में तैयार किया जा रहा है। इस परियोजना में देश की सबसे ऊंची इमारत बनाने की योजना है। प्रस्तावित टावर की ऊंचाई 620 से 700 मीटर तक हो सकती है। परियोजना के पहले चरण को जून 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। करीब 940 करोड़ रुपये की लागत वाले इस चरण का 65 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम एचएसआईआईडीसी) बुनियादी सुविधाएं विकसित कर रहा है। उपमहाप्रबंधक अरुण गर्ग ने बताया कि आधारभूत ढांचा समय पर तैयार होगा। इससे व्यावसायिक और आवासीय परियोजनाओं के विकास का मार्ग खुलेगा। ग्लोबल सिटी गुरुग्राम के सेक्टर-36, 36बी, 37, 37ए और 37बी में बन रही है। आइकॉनिक टावर प्रमुख आकर्षण होगा ग्लोबल सिटी में प्रस्तावित आइकॉनिक टावर प्रमुख आकर्षण होगा। इसके लिए द्वारका एक्सप्रेसवे के पास छह से सात एकड़ जमीन चिह्नित है। टावर में कार्यालय, होटल, खुदरा बाजार और अवलोकन डेक की संभावना है। बुनियादी ढांचे के बाद भूखंड निजी विकासकताओं को ई-नीलामी से मिलेंगे। ग्लोबल सिटी को गुरुग्राम के प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इससे करीब 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश और लगभग पांच लाख रोजगार के अवसर मिलने का अनुमान है।

जर्जर सड़कों से उड़ रही धूल, ग्रेप-1 लागू होने के बाद भी कार्रवाई नहीं

एजेंसी

मानेसर। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर वाटिका चौक के पास जर्जर सड़क के कारण दिनभर धूल उड़ती रहती है। इससे वाहन चालकों और आसपास से गुजरने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रेप-1 लागू होने के बाद भी सड़कों से उड़ती धूल को रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। मानेसर क्षेत्र के कई अन्य इलाकों में भी सड़कों की हालत खराब है। सड़कों पर धूल उड़ने से लोगों को परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि प्रशासन का ध्यान चालान काटने पर है, जबकि पहले सड़कों से धूल साफ करवाने और उनकी मरम्मत कराने की जरूरत है। मानेसर सेक्टर-83 स्थित सफायर मॉल के पास व दिल्ली-जयपुर हाईवे स्थित वाटिका चौक के पास भी सड़क की हालत को लेकर लोगों ने चिंता जताई है। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, रविवार को मानेसर का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 155 दर्ज किया गया। पिछले दो दिनों से मानेसर की हवा की स्थिति संतोषजनक श्रेणी में है। लोगों ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है।

सड़क हादसे में युवक की मौत

एजेंसी

गुरुग्राम, फर्रुखनगर-सुल्तानपुर रोड पर खाद बीच भंडार के समीप 35 वर्षीय एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई। युवक मजदूरी करता था। मृतक की पहचान यूपी के सोहनभद्र के गांव गुडहर कलां निवासी पवन देव पांडे के रूप में हुई है। मृतक अपनी बहन राधा मिश्रा के साथ फर्रुखनगर की बालाजी कॉलोनी में हरकेश के मकान में किराये पर रहता था। पुलिस ने राधा की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। राधा ने पुलिस को बताया कि पवन देव 23 अक्टूबर की सुबह मजदूरी के लिए घर से निकला था, लेकिन रात को वापस नहीं लौटा। 24 अक्टूबर को पुलिस ने सड़क हादसे में पवन की मौत होने की सूचना दी। वह मजदूरी करके घर की तरफ पैदल लौट रहा था।

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

एजेंसी

गुरुग्राम,। गुरुग्राम-सोहना हाईवे पर किया कार की चपेट में आने से बाइक सवार एक युवक घायल हो गया। घायल का इलाज एक निजी अस्पताल में चल रहा है। सोहना के गांव रिठौज निवासी भीष्म ने पुलिस में शिकायत दी कि उसके चाचा पवन बाइक से गुरुग्राम से सोहना की तरफ आ रहा था। किया कार की चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक में टक्कर मार दी। इससे पवन सड़क पर गिर गया। घायल को निजी अस्पताल में दाखिल करवाया गया। यह हादसा छह अक्टूबर को हुआ है, लेकिन अब तक पवन एक निजी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने महिला चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

हाईवे पर लापरवाही से बस चलाने का वीडियो वायरल

एजेंसी

मानेसर। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर हरियाणा रोडवेज की बस (एचआर69डीवाई2883) को लापरवाही से चलाने का वीडियो वायरल हो रहा है। चालक तेज रफ्तार में बस को जिग-जैग तरीके से चला रहा था। इससे यात्रियों और अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा पर सवाल उठे हैं। वीडियो सामने आने के बाद लोग बस चालक पर कार्रवाई की मांग उठा रहे हैं। हालांकि, इस वीडियो की अमर उजाला पुष्टि नहीं करता है।

इंडियन ओपन में वाणी कपूर शीर्ष पर, खिताब की उम्मीदें बढ़ीं

एजेंसी

गुरुग्राम। डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में चल रहे हीरो महिला इंडियन ओपन में भारतीय गोल्फर वाणी कपूर ने खिताब जीतने की उम्मीदें मजबूत कर ली हैं। शनिवार को तीसरे दौर के शानदार प्रदर्शन के बाद वाणी कुल पांच अंडर 211 के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। यदि वाणी यह खिताब जीतती हैं तो एक दशक बाद यह उपलब्धि किसी भारतीय गोल्फर के नाम होगी। इससे पहले अदिति अशोक ने 2016 में यह खिताब जीता था। पांच लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि वाले इस टूनार्मेंट में वाणी ने तीसरे दौर में तीन अंडर 69 का स्कोर किया। हालांकि, खिताब की राह उनके लिए आसान नहीं है। सिंगापुर की मौजूदा चैंपियन शैनन टैन और थाईलैंड की पोनानान्ग फाटलम संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं। उनका कुल स्कोर चार अंडर 212 है। शैनन टैन ने शुरूआती दौर में 77 के बाद शानदार वापसी की है। वाणी के पास केवल एक शॉट की बढ़त है, जिससे अंतिम दौर में कड़ी टक्कर की उम्मीद है। ारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स बीमारी के बावजूद खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं। उन्होंने तीसरे दौर में 73 का स्कोर किया। प्रणवी कुल तीन अंडर 213 के साथ अर्जेंटीना की मैग्डालेना सिमरमाकर के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं। भारतीय गोल्फर त्वेसा मलिक कुल एक अंडर 215 के स्कोर के साथ आठवें स्थान पर हैं।

रंगदारी सिंडिकेट मामले में आरोपी जगमोहन को जमानत

एजेंसी

गुरुग्राम। संगठित अपराध और रंगदारी सिंडिकेट से जुड़े आरोपी जगमोहन उर्फ भोटू को जिला अदालत ने जमानत दे दी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुदीप गोयल की अदालत ने उसकी नियमित जमानत याचिका स्वीकार की। सेक्टर-5 थाना पुलिस ने पांच जुलाई 2026 को स्पेशल ऑपरेशंस यूनिट, गुरुग्राम के एएसआई मुकेश कुमार की शिकायत पर मामला दर्ज किया था। गैंगस्टर दीपक नांदल हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर में कारोबारियों, संगीत निमार्ताओं और फाइनेंसरों से रंगदारी मांगता था। आरोप है कि जगमोहन ने गैंग को कारोबारियों के मोबाइल नंबर, रेकी और वित्तीय लेनदेन में मदद की। उस पर हवाला के जरिये विदेश में रुपये भेजने और हथियार उपलब्ध कराने का भी आरोप था। बचाव पक्ष ने उसे झूठा फंसाने और जांच पूरी होने की दलील दी। अभियोजन पक्ष ने बैंक खातों से वित्तीय सहायता के आरोप पर जमानत का विरोध किया था।

आईकेयर अभियान के तहत लीगल सेल की पहल, नागरिक अधिकारों और महिलाओं की समस्याओं के समाधान पर जोर

एजेंसी

नोएडा। नोएडा के विकास और नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं सुगम समाधान के लिए नोएडा लोक मंच लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहा है। इसी कड़ी में, संस्था के महत्वाकांक्षी 'नोएडा आईकेयर'अभियान को और अधिक प्रभावी, परिणाममूलक और व्यापक बनाने के उद्देश्य से रविवार को नोएडा लोक मंच के कार्यालय में एक महत्वपूर्ण उच्चस्तरीय बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में शहर की वर्तमान समस्याओं, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और नागरिकों के अधिकारों पर विस्तार से मंथन किया गया। बैठक का सबसे बड़ा निर्णय शहरवासियों को कानूनी सहायता और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए एक विशेष 'लीगल सेल' का गठन करना रहा। जनहित और विधिक सहायता के लिए 'लीगल सेल' का गठन नोएडा में आए



दिन नागरिकों को विभिन्न प्रशासनिक, नागरिक और संपत्ति संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उचित कानूनी जानकारी के अभाव में कई बार आम लोग सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हो जाते हैं। इन समस्याओं का ठोस और विधिक समाधान निकालने के लिए नोएडा लोक मंच ने एक समर्पित लीगल सेल बनाने का निर्णय लिया है। अध्यक्ष की जिम्मेदारीः इस नवनिर्मित लीगल सेल के अध्यक्ष पद की कमान शहर के जाने-माने और वरिष्ठ अधिवक्ता शिव सागर तिवारी को सौंपी गई है। अध्यक्ष प्रभात कुमार ने कहा, ₹इस अभियान का मुख्य उद्देश्य किसी से टकराव मोल लेना नहीं, बल्कि आम नागरिकों की वास्तविक मदद करना है। अक्सर ऐसा देखा जाता है कि कई नागरिकों को सरकारी योजनाओं, नीतियों और प्रक्रियाओं की पूरी जानकारी नहीं होती है। ऐसे में समाज के प्रबुद्ध और जागरूक लोगों को आगे आकर उनकी सहायता करनी चाहिए। यह अभियान मूल रूप से जनता और प्रशासन के बीच एक मजबूत सेतु की तरह कार्य करेगा। सिटिजन चार्टर और आरटीआई पर जोरः योगेन्द्र नारायण के सुझाव बैठक में मुख्य रूप से शामिल रहे योगेन्द्र नारायण ने शासन-प्रशासन को अधिक जनता के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि हर सरकारी विभाग को अपना 'सिटिजन चार्टर' अपने कार्यालयों में प्रमुखता से प्रदर्शित करना चाहिए। स्पष्ट जानकारी की आवश्यकताः सिटिजन चार्टर के जरिए जनता को विभिन्न सेवाओं, तय प्रक्रियाओं और काम पूरे होने की समय-सीमा की स्पष्ट जानकारी मिलती है। प्राधिकरण को पत्र और आरटीआईः उन्होंने यह सुझाव दिया कि नोएडा प्राधिकरण सहित शहर के अन्य सभी प्रमुख विभागों को पत्र लिखकर यह अनुरोध किया जाना चाहिए कि वे अपने यहां सिटिजन चार्टर अनिवार्य रूप से लगाएं। यदि आवश्यकता पड़ी, तो इस संबंध में सूचना का अधिकार का भी सहारा लिया जाएगा ताकि प्रशासनिक कार्यों में ढिलाई को रोका जा सके। अभियान को जमीनी स्तर पर गति देने के लिए सभी सक्रिय सदस्यों को उनके कार्यक्षेत्र और विशेषज्ञता के अनुसार अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। आगामी समीक्षा बैठकः अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा करने के लिए अगली महत्वपूर्ण बैठक नवंबर के पहले सप्ताह में आयोजित की जाएगी, जिसमें अब तक किए गए कार्यों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया जाएगा। मीडिया का सहयोगः बैठक में इस मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मीडिया और समाचार पत्रों के माध्यम से भरपूर सहयोग की अपील की गई, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें। महिलाओं की समस्याओं के समाधान पर विशेष फोकस संस्था की सदस्या रेणु छिब्बर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि 'नोएडा आईकेयर' अभियान महिलाओं, विशेष तौर पर कामकाजी महिलाओं के सामने आने वाली दैनिक और पेशेवर समस्याओं के समाधान में भी एक अहम भूमिका निभाएगा। आज के समय में कई महिलाएं उचित मार्गदर्शन और सहायता न मिलने के कारण मानसिक तनाव या कठिनाइयों से जूझती हैं।

कृषि मंत्री ने जटौली-फर्रुखनगर मंडियों का निरीक्षण किया

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा रविवार को जटौली और फर्रूखनगर अनाज मंडियों का दौरा कर बाजरे की खरीद का जायजा लिया। उन्होंने मंडियों में पहुंची फसल, खरीद प्रक्रिया तथा किसानों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों और आढ़तियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक भी लिया। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उनकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। फसल खरीद निर्धारित मानकों के अनुरूप पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। कृषि मंत्री ने मार्केट कमेटी कार्यालय में संबंधित विभागों और खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि केंद्र और हरियाणा सरकार किसानों की आर्थिक मजबूती तथा उनके हितों की सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। श्याम सिंह राणा ने कहा कि मंडियों में केवल खरीद करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि खरीदी गई फसल का समय पर उठान, उचित भंडारण और किसानों को निर्धारित समय पर भुगतान सुनिश्चित करना भी जरूरी है। उन्होंने खरीद एजेंसियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिए। मंडियों में फसल का अनावश्यक जमाव नहीं होना चाहिए। समय पर उठान होने से मंडी परिसर में पर्याप्त स्थान उपलब्ध रहेगा और अन्य किसान भी आसानी से अपनी फसल लेकर पहुंच सकेंगे। अधिकारियों को खरीद व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई न बरतने के निर्देश दिए गए। कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मंडियों में पेयजल, बिजली, छाया, शौचालय और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहें। इस अवसर पर मार्केट कमेटी पटौदी-जटौली के अध्यक्ष मनोज मोकलवास, सचिव विपिन यादव समेत उपस्थित रहे।

प्लॉट की दीवार गिरने पर विवाद, पड़ोसियों ने दंपती को पीटा

एजेंसी

नोएडा। और उसके आस-पास के ग्रामीण इलाकों में मामूली विवाद किस तरह खूनी संघर्ष का रूप ले लेते हैं, इसका एक ताजा और सनसनीखेज मामला सामने आया है। थाना ईकोटेक-3 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव हल्दौनी में प्लाट की गिरी हुई दीवार को लेकर उपजे विवाद ने विकराल रूप ले लिया। पड़ोसी द्वारा छोड़े गए गंदे पानी के कारण प्लॉट की दीवार गिरने का विरोध करना एक दंपती को इतना भारी पड़ा कि पड़ोसियों ने उन पर लाठी-डंडों और लोहे के सरियों से जानलेवा हमला कर दिया। पीड़ित महिला की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शनिवार को चार नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है और मामले की गंभीरता से जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना नोएडा के ग्रामीण क्षेत्र हल्दौनी गांव की है। गांव की रहने वाली रिजवाना नाम की महिला ने पुलिस को दी गई अपनी लिखित शिकायत में बताया कि घटना 2 अक्टूबर की है। उस दिन रिजवाना और उनके पति अपने स्वामित्व वाले प्लाट का जायजा लेने के



लिए गांव में स्थित अपने भूखंड पर गए थे। प्लाट पर पहुंचने के बाद उन्होंने देखा कि वहां स्थिति काफी खराब थी। उनके प्लाट के ठीक बगल में रहने वाले पड़ोसी सलीम ने अपने घर का गंदा पानी लगातार उनके प्लाट की ओर छोड़ रखा था। इस जलभराव और सीलन के कारण रिजवाना के प्लाट की बाउंड्री वॉल (दीवार) पहले ही कमजोर होकर गिर चुकी थी, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा था। करने पर भड़के पड़ोसी, बोला हमला जब रिजवाना के पति ने इस गंभीर लापरवाही और नुकसान को देखते हुए पड़ोसी सलीम से शालीनतापूर्वक इस बारे में बात करनी चाही और गंदा पानी रोकने का आग्रह किया, तो मामला सुलझने के बजाय और अधिक बिगड़ गया। आरोप है कि पड़ोसी सलीम और उसके परिजन बातचीत से मसला हल करने के बजाय तुरंत आक्रामक हो गए। हथियारों से लैस होकर आए आरोपीः बातचीत के दौरान ही पड़ोसी सलीम, उसका बेटा फिरोज, आसिफ और राजा अचानक उग्र हो गए। ये सभी आरोपी हाथों में लाठी-डंडे और लोहे के सरिए लेकर मौके पर आ धमके। पति के साथ बर्बर मारपीटः आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और रिजवाना के पति को घेरकर उनके साथ लाठी-डंडों व सरियों से बेरहमी से मारपीट शुरू कर दी। इस अचानक हुए हमले में पति को गंभीर चोटें आईं। पत्नी को भी नहीं बख्शा, बीच-बचाव करने पर फेंका जमीन पर अपने पति को लहूलुहान और संकट में देखकर रिजवाना घबरा गईं अभद्रता और दुर्व्यवहारः आरोपी राजा ने बीच-बचाव करने आई रिजवाना के साथ भी अभद्र भाषा का प्रयोग किया और अगाली-गलौज की। जानलेवा हरकतः आरोप है कि आरोपी राजा ने महिला के साथ हाथापाई करते हुए उन्हें धक्का देकर जमीन पर पटक दिया और उनके साथ भी जमकर मारपीट की, जिससे महिला को भी शारीरिक चोटें और भारी मानसिक आघात पहुंचा। पुलिस का एक्शन और कानूनी कार्रवाई घटना के तुरंत बाद पीड़ित दंपती ने स्थानीय थाने पहुंचकर अपनी आपबीती सुनाई और न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की नजाकत को समझते हुए तुरंत एक्शन लिया। दर्ज हुई ऋ्रप्रम ईकोटेक-3 कोतवाली पुलिस ने पीड़िता रिजवाना की तहरीर के आधार पर मुख्य आरोपी सलीम और उसके तीन बेटों/सम्बंद्ध- साथियों फिरोज, आसिफ और राजा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (या संबंधित प्रासंगिक धाराओं) के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली है। कोतवाली प्रभारी का बयानः इस संबंध में जानकारी देते हुए ईकोटेक-3 कोतवाली प्रभारी मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पुलिस को तहरीर मिल चुकी थी और चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

नोकिया 3310 में नहीं चला जियो सिम, उपभोक्ता कोर्ट ने जुमार्ना लगाया

एजेंसी

गुरुग्राम। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के अध्यक्ष संजीव जिंदल ने जियो कंपनी को एक खरीदार को मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह आदेश जियो सिम नोकिया मोबाइल में न चलने पर रिफंड न देने के मामले में आया है। आयोग ने इसे सेवा में कमी और अनुचित व्यापार प्रथा माना है। सेक्टर-14 निवासी राज भूषण स्वामी ने छह जुलाई 2021 को रिलायंस जियो की दुकान से 298 रुपये में सिम कार्ड खरीदा था। उन्होंने सिम अपने नोकिया 3310 फोन में डाला, लेकिन वह काम नहीं कर रहा था। दुकान पर शिकायत करने पर बताया गया कि जियो सिम केवल वोल्ट तकनीक समर्थित फोन में चलता है। दुकानदार ने सिम वापस लेने और रुपये लौटाने से मना कर दिया। इसके बाद उन्होंने ट्विटर और ईमेल



के माध्यम से कंपनी से शिकायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। आयोग ने पाया कि उपभोक्ता को सिम की तकनीकी अनुकूलता के बारे में पहले से जानकारी नहीं दी गई थी। आयोग ने 14 अक्तूबर 2026 को यह फैसला सुनाया। पीठ में अध्यक्ष संजीव जिंदल, सदस्य ज्योति सिवाच और खुशविंदर कौर शामिल थे। आयोग ने जियो कंपनी को 298 रुपये की राशि छह जुलाई 2021 से नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने का आदेश दिया। साथ ही, कंपनी को 15 हजार रुपये मानसिक उत्पीड़न के मुआवजे के रूप में देने होंगे। इसके अलावा, 11 हजार रुपये मुकदमे के खर्च के तौर पर भी चुकाने होंगे।

सेवा भारती की 26 केंद्र संचालिकाओं ने लिया प्रशिक्षण

एजेंसी

नोएडा,। सेवा भारती मेरठ प्रांत की ओर से रविवार को राधा कृष्ण सरस्वती बालिका विद्या मंदिर में केंद्र संचालिकाओं का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। सुबह नौ बजे से शाम 5:30 बजे तक चले प्रशिक्षण में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक सेवा से जुड़े केंद्रों की 26 संचालिकाओं ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में सेवा भारती के प्रांत मंत्री अखिल ने कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। इसके बाद नोएडा विभाग के संगठन मंत्री जतिन मिश्रा ने पहले सत्र में सेवा से समाज परिवर्तन, पांच परिवर्तन और सेवा बस्ती में कार्यकताओं की भूमिका जैसे विषयों पर जानकारी दी। दूसरे सत्र में प्रांत शिक्षा आयाम प्रमुख मंजूषा देशमुख ने शिक्षा से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन किया। तीसरे सत्र में सरिता सती ने विभिन्न कल्याणकारी सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। समापन सत्र में विभाग प्रचारक चिरंजीवी ने सेवा कार्य को ईश्वरीय कार्य



बताते हुए कहा कि सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। विभाग मंत्री चंद्र प्रकाश ने सभी कार्यकताओं का आभार जताया। प्रशिक्षण वर्ग के संयोजक आदित्य गौड़ और सह संयोजक संदीप त्यागी रहे। इस दौरान विभाग सह संघचालक विनोद कौशिक, विभाग उपाध्यक्ष देव प्रकाश, महानगर मंत्री अरुण, मंजू शर्मा, बीएल कपूर और अनुपम कौल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जेपी विशटाउन में तीसरे दिन भी धरना जारी, निवासियों ने की नारेबाजी

मेंटेनेंस शुल्क, एसएएम और सुरक्षा संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग, अधिकारियों ने दिया बातचीत का आश्वासन

एजेंसी

नोएडा । सेक्टर-134 स्थित जेपी विशटाउन के जेपी कॉसमॉस में मेंटेनेंस शुल्क, एसएएम और अन्य समस्याओं को लेकर निवासियों का अनिश्चितकालीन धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। छुट्टी होने के कारण प्रदर्शन में बड़ी संख्या में निवासी शामिल हुए। उन्होंने मांगों को लेकर नारेबाजी की और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर नाराजगी जताई। निवासियों का कहना है कि मेंटेनेंस शुल्क, एसएएम और सुरक्षा सहित अन्य समस्याओं को लेकर लंबे समय से शिकायतें की जा रही हैं, लेकिन समाधान नहीं हो रहा। इससे लोग परेशान हैं। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी समस्याओं का



समाधान नहीं किया जाता, तब तक धरना जारी रहेगा। रविवार को लोगों की बढ़ी भागीदारी के बाद आंदोलन तेज करने की बात भी कही गई। निवासियों के अनुसार, पूरे जेपी विशटाउन में जेपी कॉसमॉस की ही एक एओए है। धरने में जेपी कॉसमॉस के अध्यक्ष बृजेश सिंह, महासचिव संजय सोलंकी, वरिष्ठ नागरिक अध्यक्ष चौधरी ओम सिंह समेत कई निवासी मौजूद रहे। इस दौरान सुरक्षा अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर निवासियों की बात आगे रखने और समाधान के लिए बातचीत करने का आश्वासन दिया।

बंगाली समाज ने की कोजागरी लक्ष्मी पूजा

एजेंसी

नोएडा, । शरद पूर्णिमा पर रविवार को बंगाली समाज ने कोजागरी लक्ष्मी पूजा की। घरों और पूजा स्थलों को अल्पना से सजाकर मां लक्ष्मी की आराधना की गई। श्रद्धालुओं ने खीर, नारियल और मिठाइयों का भोग लगाया। साथ ही परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। सेक्टर-26 की नोएडा कालीबाड़ी, सेक्टर-34 की नोएडा बंगीय समिति, सेक्टर-55 की नवोदय पूजा समिति, सेक्टर-61 की बलाका समिति और सेक्टर-62 की सर्बोजनिन पूजा समिति में पूजा हुई। सेक्टर-25 की जलवायु विहार संस्कृति कल्याण समिति और सेक्टर-120 की पुर्बाह्नो बंगाली सांस्कृतिक समिति ने भी पूजा-अर्चना की। कोजागरी लक्ष्मी पूजा में बंगाली परंपराओं की झलक देखने को मिली। महिलाओं ने चावल के घोल से अल्पना बनाई। मुख्य द्वार से पूजा स्थल तक मां लक्ष्मी के पदचिह्न उकेरे। मां की प्रतिमा और तस्वीर स्थापित कर दीपक, धूप, फूल, फल और मिठाइयां अर्पित की गईं। कई परिवारों में लक्ष्मी पंचाली का पाठ भी हुआ। दूध और चावल से बनी खीर का भोग लगाया गया। कुछ परिवारों ने खीर को चांदनी में रखने और रात में जागकर मां लक्ष्मी की आराधना करने की परंपरा निभाई। सेक्टर-55 निवासी अभिषेक ने बताया कि कोजागरी लक्ष्मी पूजा बंगाली परिवारों के लिए विशेष महत्व रखती है। इस दिन घर की साफ-सफाई कर अल्पना बनाई जाती है। मां लक्ष्मी की पूजा कर खीर का भोग लगाया जाता है। परिवार की सुख-समृद्धि की कामना के साथ यह पर्व परंपराओं से जुड़े रहने का अवसर भी देता है। सेक्टर-62 निवासी देबोलिना रॉय ने बताया कि अल्पना बनाना और मां लक्ष्मी के पदचिह्न उकेरना बंगाली परंपरा का खास हिस्सा है।

बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों को रोकने के लिए हर किसी की ज़िम्मेदारी होनी चाहिए

■ सिरसिला फर्स्ट एडिशनल जूनियर सिविल जज के. सृजन ने कहा कि बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों को रोकने के लिए हर किसी की ज़िम्मेदारी होनी चाहिए।



राजन्ना सिरसिला, 27 अक्टूबर: 'सुरक्षित बचपन अभियान' बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों को रोकने के लिए स्कूलों में जागरूकता प्रोग्राम शुरू किया गया

स्टूडेंट्स को एक्ट के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए

सिरसिला फर्स्ट एडिशनल जूनियर सिविल जज के. सृजन सिरसिला फर्स्ट एडिशनल जूनियर सिविल जज के. सृजन ने कहा कि बच्चों के खिलाफ यौन अपराधों को रोकने के लिए हर किसी की ज़िम्मेदारी होनी चाहिए। मंगलवार को, उन्होंने डिस्ट्रिक्ट चीफ जज और डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज़ अथॉरिटी के प्रेसिडेंट पी. नीरज के निर्देशों का पालन करते हुए, सिरसिला डिस्ट्रिक्ट सेंटर के कुसुमा रमैया बॉयज़ हाई स्कूल में बच्चों के अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के मकसद से 'सुरक्षित बचपन अभियान' नाम से पूरे जिले में आयोजित स्कूल-लेवल जागरूकता प्रोग्राम में हिस्सा लिया। क्ह्ष्स्ह एक्ट के अनुसार, जब बच्चों के खिलाफ यौन शोषण या गलत व्यवहार की घटनाएं होती हैं, तो उन्हें बिना किसी डर के संबंधित अधिकारियों के ध्यान में लाया जाना चाहिए, और सभी को प्रभावित बच्चों को तुरंत सुरक्षा और कानूनी मदद देने में ज़िम्मेदारी से काम करना चाहिए। जब बच्चों के खिलाफ यौन अपराध होते हैं, तो उन्हें छिपाना नहीं चाहिए, बल्कि कानून के मुताबिक संबंधित अधिकारियों को रिपोर्ट करना चाहिए, और प्रभावित बच्चों की पर्सनल डिटेल्स की प्राइवेसी को सुरक्षित रखना चाहिए और उन्हें मानसिक हिम्मत और भरोसा देना चाहिए।

इस अवेयरनेस प्रोग्राम में HML मोतीलाल, लोक अदालत के सदस्य डॉ. चिंतोजू भास्कर, वकील पेंटा श्रीनिवास, आदेपु वेणु, कल्याणी, कुंटा श्रीनिवास, टीचर्स और स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

विद्यार्थियों को पुलिस के कामकाज की जानकारी दी



पवन बजाज

मंचेरियाल, 27 अक्टूबर - पुलिस शहीद स्मृति सप्ताह के तहत चेन्नूर पुलिस की ओर से विद्यार्थियों के लिए थाने में खुला कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ड्यूटी करते हुए जान देने वाले पुलिसकर्मियों के बलिदान को याद किया गया और उनकी सेवाओं को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को थाने के कामकाज, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया, सीसीटीएनएस, पॉक्सो कानून और साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने पुलिस के कामकाज को समझा और थाने का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर चेन्नूर सीआई बंसीलाल, एसआई श्याम पटेल सहित अन्य पुलिसकर्मी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

मोदी पर टिप्पणी वापस लेकर माफी मांगें खर्गे .... भाजपा



पवन बजाज

मंचेरियाल , 27 अक्टूबर 26. चेन्नूर में भाजपा नेताओं ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खर्गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर की गई टिप्पणी पर नाराजगी जताई। भाजपा के मंचेरियाल जिला प्रवक्ता गर्रेपल्ली वेंकट नरसैया ने कहा कि प्रधानमंत्री के बारे में इस तरह की टिप्पणी करना उचित नहीं है। उन्होंने मांग की कि मल्लिकार्जुन खर्गे अपनी टिप्पणी वापस लेकर तुरंत माफी मांगें। उन्होंने कहा कि राजनीति में एक-दूसरे की आलोचना करना सामान्य बात है, लेकिन देश के प्रधानमंत्री के बारे में बोलते समय शब्दों की मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। सभी राजनीतिक दलों को लोकतांत्रिक मूल्यों और पद की गरिमा का सम्मान करना चाहिए।

इस दौरान भाजपा नेता काइता वेंकटेश, मधुराज, प्रसाद श्रावणी, चिरंजीवी, अडपा श्रीनिवास, मणिकरौतु शंकर, चाकटी श्याम सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बेलमपल्ली में खुलेआम घूम रहे आवारा कुत्ते: बाइक से गिरकर महिला गंभीर रूप से घायल

मनोज कुमार पांडेय



बेल्लमपल्ली 27 अक्टूबर : बेल्लमपल्ली शहर में आवारा कुत्तों का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है. स्थानीय लोग बहुत डरे हुए हैं क्योंकि वे रात में सड़कों पर गाड़ी चलाने वालों का पीछा करते हैं और उन पर हमला करते हैं.

रविवार रात स्थानीय अशोक नगर के शिवानी पब्लिक स्कूल इलाके में एक दुखद घटना हुई. स्थानीय पत्रकार मनोज कुमार पांडे अपनी पत्नी के साथ हनुमान मंदिर मे शरद पूर्णिमा पर आयोजित कार्यक्रम मे शामिल होकर उनकी पत्नी के साथ अपने घर अशोक नगर की ओर बाइक पर जा रहे थे, तभी अचानक एक आवारा कुत्ता उन पर झपट पड़ा. कुत्ता पीछा करते हुवे बाइक के पीछे बैठी महिला के साड़ी का किनारा पकड़कर खींचा और उसका पीछा किया. कुत्ते के काटने से बचने के लिए जब बाइक ने अपनी स्पीड बढ़ाई, तो पीछे बैठी महिला का कंट्रोल बिगड़ गया और वह गिर गई. हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गई. पीड़ितों ने कहा कि किस्मत से वे डिवाइडर से नहीं टकराए, जिससे कोई बड़ी जान का नुकसान होने से बच गया. फिर भी वह गंभीर चोट के कारण दांत टूट चुके है. स्थानीय लोग चिंता जता रहे हैं कि इस रास्ते पर हर रात कुत्ते गाड़ी चलाने वालों पर हमला कर रहे हैं. वे इस बात से नाराज़ हैं कि बच्चों, महिलाओं और टू-व्हीलर चलाने वालों को इस इलाके से गुज़रने के लिए अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ती है. शहर के लोग अभी भी मांग कर रहे हैं कि नगर निगम के अधिकारी और वार्ड पार्षद इस पर ध्यान दें, खतरनाक आवारा कुत्तों को पकड़ें और सही कार्रवाई करें.

नि:शुल्क नेत्र शिविर में 61 लोगों को ऑपरेशन के लिए चुना गया

पवन बजाज

मंचेरियाल, 27 अक्टूबर 26. चेन्नूर लायंस क्लब की ओर से स्वर्गीय बंसीधर लाहोटी एवं कौशल्या बाई लाहोटी की स्मृति में स्थानीय साईराम फंक्शन हॉल में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया। शिविर में 95 लोगों की बीपी, शुगर और आंखों की जांच की गई। इनमें से 61 लोगों को आंखों के ऑपरेशन के लिए चुना गया।

लायंस क्लब के अध्यक्ष लायन निम्मला सागर और रेकुर्ती नेत्र अस्पताल के प्रतिनिधि प्रभाकर ने बताया कि ऑपरेशन के लिए चुने गए लोगों को निःशुल्क बस से रेकुर्ती नेत्र अस्पताल ले जाया गया। वहां बुधवार को उनके ऑपरेशन किए जाएंगे और गुरुवार को उन्हें चेन्नूर वापस लाया जाएगा।



शिविर के आयोजन पर होने वाला करीब 15 हजार रुपये का खर्च डॉ. ओम लाहोटी ने अपने माता-पिता स्वर्गीय बंसीधर लाहोटी एवं कौशल्या बाई लाहोटी की स्मृति में दिया। वहीं, लायंस क्लब के कोषाध्यक्ष लायन सौडम श्रीनिवास के बड़े बेटे के जन्मदिन के अवसर पर शिविर में आए करीब 150 लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई।

कार्यक्रम में डॉ. शंकरलाल लाहोटी, जोन चेयरपर्सन लायन जाड़ी तिरुपति, क्लब सचिव लायन कप्स प्रताप सिंह, लायन जक्कुल सत्यनारायण, लायन मदासु किस्टैया सहित क्लब के सदस्य, सामाजिक कार्यकर्ता और आशा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष ने प्रभारी के रूप में एनएसयूआई के साथ की पहली बैठक

एजेंसी

27 अक्टूबर 2026- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल द्वारा प्रदेश युवा कांग्रेस व एनएसयूआई का प्रदेश प्रभारी नियुक्त किए जाने के बाद प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री सूर्यकांत धस्माना ने आज पार्टी मुख्यालय राजीव भवन में प्रदेश एनएसयूआई अध्यक्ष विकास नेगी व उनकी कार्यकारिणी के महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन की भावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए श्री धस्माना ने कहा कि आज देश में श्री राहुल गांधी भारत के लोकतंत्र व संविधान को बचाने की ऐतिहासिक लड़ाई लड़ रहे हैं और इस लड़ाई में उनको सबसे ज्यादा उम्मीद अगर किसी से है तो वो देश का लद्दठ्ठ और युवा वर्ग है।

उन्होंने कहा कि श्री राहुल गांधी के इस विश्वास पर खरा उतरने की जिम्मेदारी अब युवा वर्ग पर ही है। इसलिए आगामी 1 नवंबर को दिल्ली में होने वाली विशाल युवा रैली में उत्तराखंड प्रदेश से हजारों की संख्या में लद्दठ्ठ कार्यकर्ता भाग लेंगे। श्री धस्माना ने जानकारी दी कि 14 नवंबर को देहरादून में प्रदेश भर के एनएसयूआई नेताओं का विशाल सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें 2027 विधानसभा चुनावों के लिए युवा शक्ति की भूमिका तय की जाएगी।

करवा चौथ पर लंबे समय तक भूखे-प्यासे रहने से क्या बढ़ सकता है प्रेग्नेंसी में कॉम्प्लिकेशंस का खतरा? जानें किन बातों का रखें ध्यान

इस विषय पर डॉ. श्रुति कैंथ, सीनियर कंसल्टेंट, ऑब्स्टेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी, कोकून हॉस्पिटल, चंडीगढ़ का कहना है कि प्रेगनेंसी के दौरान लंबे समय तक भूखे-प्यासे रहना मां और गर्भ में पल रहे बच्चे की सेहत के लिए परेशानी पैदा कर सकता है। करवा चौथ पर निर्जला व्रत रखने से शरीर में पानी की कमी यानी डिहाइड्रेशन, कमजोरी, चक्कर आना, सिरदर्द और ब्लड प्रेशर कम होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। प्रेगनेंसी में शरीर को पर्याप्त पानी, एनर्जी और पोषक तत्वों की जरूरत होती है, ताकि मां की सेहत बनी रहे और बच्चे का विकास सही तरीके से हो सके। लंबे समय तक कुछ न खाने से ब्लड शुगर का स्तर कम हो सकता है, खासकर उन महिलाओं में जिन्हें डायबिटीज है या जो इंसुलिन लेती हैं। वहीं, ज्यादा देर तक पानी न पीने से डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ सकता है। गंभीर स्थिति में मां की तबीयत बिगड़ सकती है और प्रेगनेंसी से जुड़ी परेशानियां बढ़ सकती हैं। हालांकि, हर महिला पर इसका असर एक जैसा नहीं होता और केवल व्रत रखने से किसी कॉम्प्लिकेशन का होना तय नहीं है। जिन महिलाओं को पहले से खून की कमी, हाई या लो ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, लगातार उल्टी या दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं हैं, उन्हें विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। प्रेगनेंसी के शुरुआती महीनों में उल्टी और जी मिचलाने की समस्या होने पर खाली पेट रहने से परेशानी बढ़ सकती है। इसलिए प्रेगनेंसी में करवा चौथ का निर्जला व्रत रखने से पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए। व्रत के दौरान चक्कर, घबराहट, बहुत ज्यादा कमजोरी या बेहोशी जैसा महसूस हो, तो तुरंत व्रत तोड़कर चिकित्सकीय मदद लें। इस दौरान धार्मिक आस्था के साथ मां और बच्चे की सेहत को प्राथमिकता देना सबसे जरूरी है।

सीएम ने सदन पटल पर रखा अनुपूरक बजट



एजेंसी

चमोली। उत्तराखंड की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन में धामी सरकार के अंतिम सत्र की कार्यवाही शुरू हो गई है। दो दिवसीय सत्र के पहले दिन सदन में दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल बीसी खंडूड़ी और पूर्व कैबिनेट मंत्री हीरा सिंह बिष्ट को श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सदन में दोनों दिवंगत नेताओं को श्रद्धांजलि अर्पित की। भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन पहुंचने पर विधायकों और अन्य लोगों ने दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी और पूर्व कैबिनेट मंत्री हीरा सिंह बिष्ट के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। विधानसभा सत्र के लिए पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने दोनों नेताओं को याद किया। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल बीसी खंडूड़ी को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके व्यक्तित्व को शब्दों में व्यक्त कर पाना कठिन है। उनका राजनीतिक जीवन पांच दशक से अधिक का रहा। उन्होंने अपने कर्मों और विचारों से उत्तराखंड के जनमानस में अपनी अलग पहचान बनाई और पूरे प्रदेश की आवाज को एक दिशा दी। आर्य ने कहा कि स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना को आगे बढ़ाने में भी खंडूड़ी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने सुशासन, प्रशासनिक अनुशासन और पारदर्शिता की नई परिभाषा गढ़ी। सदन में मंत्री सतपाल महाराज ने दिवंगत पूर्व मुख्यमंत्री मेजर जनरल बीसी खंडूड़ी को याद करते हुए कहा कि वह समय के बेहद पाबंद थे। रिखणीखाल के एक कार्यक्रम में बारिश के बावजूद वह समय पर पहुंचे थे, जबकि जनता छाता लेकर खड़ी थी। महाराज ने कहा कि खंडूड़ी का मानना था कि पहाड़ में सड़क सबसे अहम है। उत्तराखंड में उन्हें 'रोड मैन' के नाम से जाना जाता है। इससे पहले उन्होंने विधानसभा भवन में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य से उनके कक्ष में मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण से भी शिष्टाचार भेंट की। विधानसभा सत्र शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गैरसैंण के भराड़ीसैंण स्थित विधानसभा भवन में विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण से शिष्टाचार भेंट की। भराड़ीसैंण विधानसभा सत्र में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सदन के पटल पर 7,400 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट रखा। उत्तराखंड सरकार ने विधानसभा में 7,844.18 करोड़ रुपये का अनुपूरक बजट पेश किया। इसमें राजस्व मद के लिए 3,679.86 करोड़ रुपये और पूंजीगत मद के लिए 4,164.32 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। बजट में गैरसैंण जलापूर्ति बांध परियोजना, कुंभ मेले के बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा, ऊर्जा, ग्रामीण विकास और खेल समेत कई क्षेत्रों के लिए धनराशि रखी गई है। ग्रामीण, शहरी और स्थानीय निकायों को राज्य वित्त आयोग की सिफारिशों के अनुरूप 721 करोड़ रुपये देने का प्रस्ताव है।

सिरसिला में वेंकन्ना ब्रह्मोत्सव खत्म हुआ

राजन्ना सिरसिला, 27 अक्टूबर: सिरसिला में चल रहे श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर स्वामी ब्रह्मोत्सव के हिस्से के तौर पर, मंगलवार को मंदिर में मूर्ति मंत्र होमम, महापूर्णाहुति चक्रस्नानम और दूसरे पूजा प्रोग्राम हुए। म्युनिसिपल चेयरपर्सन जिंदम कला चक्रपाणि और उनकी पत्नी ने इस प्रोग्राम में हिस्सा लिया और भगवान के लिए खास पूजा प्रोग्राम किए। इस मौके पर बोलते हुए, म्युनिसिपल चेयरपर्सन जिंदम कला चक्रपाणि ने श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर स्वामी के पुजारियों, मंदिर के श्वह्व, पुजारियों और स्टाफ को इस महीने की 17 से 27 तारीख तक श्री लक्ष्मी वेंकटेश्वर स्वामी ब्रह्मोत्सव के हिस्से के तौर पर पूजा प्रोग्राम और रथ उत्सव प्रोग्राम को भक्तों के लिए बिना किसी दिक्कत के सफलतापूर्वक करने के लिए बधाई दी। ब्रह्मोत्सव के हिस्से के तौर पर, म्युनिसिपैलिटी ने यह पक्का करने के लिए ज़रूरी कदम उठाए हैं कि भक्तों को ब्रह्मोत्सव के दौरान कोई दिक्कत न हो।



बाद में, मंदिर के श्वह्व मारुति राव ने म्युनिसिपल चेयरपर्सन जिंदम कला चक्रपाणि और उनकी पत्नी को सम्मानित किया, जिन्होंने ब्रह्मोत्सव के हिस्से के तौर पर पूजा प्रोग्राम और यज्ञ के लिए अपने खर्चे पर वैदिक विद्वानों के लिए ज़रूरी पूजा सामग्री और खाने का इंतज़ाम किया था। वैदिक विद्वानों ने चेयरपर्सन और उनकी पत्नी को आशीर्वाद दिया और उन्हें प्रसाद दिया। पार्षद अदिचारला रूपा साई कृष्णा और उनकी पत्नी, डरनम अरुणा लक्ष्मीनारायण और उनकी पत्नी, कांग्रेस पार्टी के ज़िला अध्यक्ष संगीता श्रीनिवास, कोंडा शंकर, ममीडाला रमना, कोडम श्रीनिवास, जाने-माने भक्त और दूसरे लोग इन पूजा प्रोग्राम में शामिल हुए।

मल्लिकार्जुन खड़गे के कमेंट्स के खिलाफ विरोध



राजन्ना सिरिसिला, 27 अक्टूबर: कांग्रेस पार्टी के नेशनल प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे के भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किए गए कथित गलत कमेंट्स के विरोध में, भारतीय जनता पार्टी राजन्ना सिरिसिला डिस्ट्रिक्ट ब्रांच ने मंगलवार को डिस्ट्रिक्ट सेंटर के अंबेडकर स्क्वायर पर एक विरोध प्रोग्राम रखा। इस मौके पर, मल्लिकार्जुन खड़गे का पुतला जलाया गया और क्ह्ष्क्नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी के रुख के खिलाफ नारे लगाए। प्रोग्राम की अध्यक्षता क्ह्ष्क्न राजन्ना सिरिसिला डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट श्री रेड्डाबोयिना गोपी ने की। इस मौके पर बोलते हुए, डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट रेड्डाबोयिना गोपी ने कहा कि कांग्रेस के नेशनल प्रेसिडेंट मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा बिहार के पटना में हुई एक मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में किए गए कमेंट्स आपत्तिजनक थे। उन्होंने कहा कि नेताओं को देश के प्रधानमंत्री के लिए सम्मानजनक भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए और राजनीतिक आलोचना सिर्फ़ नीतियों, शासन और सार्वजनिक मुद्दों तक ही सीमित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के परिवार के सदस्यों के बारे में व्यक्तिगत टिप्पणी करना राजनीतिक संस्कृति के ख़िलाफ़ है। उन्होंने साफ़ किया कि हालांकि लोकतंत्र में आलोचना की अपनी जगह है, लेकिन व्यक्तिगत अपमान की इजाज़त नहीं दी जानी चाहिए। इस विरोध कार्यक्रम में क्ह्ष्क्न के राज्य नेता मट्टा वेंकटेश्वर रेड्डी, संसद के सह-संयोजक अडेपु रविंदर, ज़िला मुख्य सचिव पोन्नाला तिरुपति रेड्डी, सिरिकोंडा श्रीनिवास, ज़िला उपाध्यक्ष मल्लापु संतोष रेड्डी, स्ष्ट मोर्चा के ज़िला अध्यक्ष उडुगुला यादगिरी, ह्व्ष्ट मोर्चा के ज़िला अध्यक्ष रेगुला संतोष बाबू, स्त्र मोर्चा के ज़िला अध्यक्ष किरण नायक, धार्मिक सेल के ज़िला संयोजक डॉ. सत्यनारायण, दुमाला श्रीकांत, सौला क्रांति और अन्य लोग शामिल हुए।

कुरुक्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर मिलेंगी बेहतर सुविधाएं, विकास कार्यों में आएगी तेजी: पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा

एजेंसी

कुरुक्षेत्र 27 अक्टूबर 2026 (मंगलवार) हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) का डिवीजन कार्यालय कुरुक्षेत्र में स्थापित करने की मांग पूरी होने पर हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र में एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय स्थापित होने से क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी और स्थानीय निवासियों की समस्याओं का समाधान तेजी से हो सकेगा। यह निर्णय कुरुक्षेत्र के शहरी विकास को नई गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष कुरुक्षेत्र में एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय स्थापित करने की मांग प्रमुखता से उठाई थी। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर क्षेत्र की आवश्यकताओं से अवगत करवाया था। उन्होंने बताया कि वर्तमान में एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय अंबाला में स्थित था, जबकि कुरुक्षेत्र में इस डिवीजन के अंतर्गत आने वाले सेक्टरों की संख्या अंबाला की तुलना में काफी अधिक है। ऐसे में कुरुक्षेत्र के लोगों को अपने स्थानीय कार्यों और समस्याओं के समाधान के लिए अंबाला पर निर्भर रहना पड़ता था। कुरुक्षेत्र तेजी से विकसित हो रहा है और यहां शहरी आबादी के साथ-साथ आवासीय सेक्टरों का भी विस्तार हुआ है। ऐसे में शहर में एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय स्थापित करने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। कार्यालय दूर होने के कारण लोगों को अपनी शिकायतों, विकास कार्यों और अन्य प्रशासनिक मामलों के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ता था। कुरुक्षेत्र में ही डिवीजन कार्यालय स्थापित होने से इन समस्याओं का स्थानीय स्तर पर निपटारा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि एचएसवीपी का डिवीजन कार्यालय कुरुक्षेत्र में बनने से न केवल आम नागरिकों को सुविधा मिलेगी, बल्कि विकास कार्यों की योजना बनाने, उनकी निगरानी करने और उन्हें समय पर पूरा करवाने में भी सहायता मिलेगी।

>> विचार

आंदोलन लोकतंत्र में अवाम के तंत्र की गवाही हैं

पूजा राठी

'सारी सड़कें जाम कर दी'
'दुकानें भी बंद हैं'
'सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हो रहा है'

किसी भी आंदोलन की चर्चा में अक्सर ऐसी बातें सुनने को मिलती हैं। अपनी मांगें मनवाने के लिए दूसरों को मुश्किल में डालना कितना सही है, बहस इसी सवाल के इर्द-गिर्द बनी रहती है। आखिर लोगों को अपनी बात कहने के लिए आंदोलन का रास्ता क्यों चुनना पड़ता है जब शिकायतों पर सुनवाई नहीं होती और व्यवस्था के भीतर समाधान नहीं मिलता, तब लोग सामूहिक विरोध से अपनी बात रखते हैं। ऐसे में आंदोलन नीति निर्माताओं पर दबाव बनाने का ज़रिया बन जाते हैं।लेकिन एक आंदोलन को केवल सतही रूप से नहीं समझा जा सकता। यह देखना भी ज़रूरी है कि एक जनसमूह किन परिस्थितियों में विरोध करता है, कौन-से मुद्दे उठाता है और उनके ज़रिए क्या बदल पाता है। एक बड़ा सवाल यह भी है कि जिस देश की आज़ादी में आंदोलनों की अहम भूमिका रही हो, वहां आज लोकतंत्र को बनाए रखने में आंदोलन क्या भूमिका निभाते हैं?

जब समस्याएं सार्वजनिक सवाल बनती हैं : हर आंदोलन का संबंध ज़मीन, बुनियादी ढांचे या तात्कालिक सरकारी फैसलों से नहीं होता। कुछ आंदोलन उन समस्याओं को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाते हैं, जिन्हें लंबे समय तक निजी मामला, या किसी उपेक्षित समुदाय का अनुभव मानकर नज़रअंदाज़ किया जाता है। सामूहिक संघर्ष इन अनुभवों को सामाजिक सवालों में बदलते हैं और यह मांग उठाते हैं कि इनके समाधान का ज़िम्मा केवल प्रभावित व्यक्तियों का नहीं, बल्कि समाज और संस्थानों का भी है। श्रमिक और महिला अधिकारों पर काम करने वाली सामाजिक कार्यकर्ता राजिम केतवास कहती हैं, 'पति-पत्नी के बीच मारपीट कोई निजी बात नहीं, बल्कि सामाजिक मसला है।' यह नज़रिया महिला आंदोलनों के लंबे संघर्ष में भी दिखाई देता है। इन आंदोलनों ने घरेलू हिंसा को निजी मामला मानने की सोच को चुनौती दी और महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनी संरक्षण की मांग उठाई। इन प्रयासों के बीच 2005 में घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम बना। इसी तरह, 2012 में निर्भया मामले के बाद देश भर में हुए प्रदर्शनों ने यौन हिंसा पर व्यापक सार्वजनिक बहस और कानूनी सुधारों की मांग को गति दी। इसके बाद 2013 में आपराधिक कानून (संशोधन) अधिनियम पारित हुआ। राजस्थान की भंवरी देवी का मामला इस बात का एक अहम उदाहरण है कि किसी व्यक्ति के साथ हुआ अन्याय किस तरह व्यापक संस्थागत जवाबदेही का सवाल बन सकता है। भंवरी देवी के साथ हुई हिंसा के बाद महिला संगठनों ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनी संरक्षण की मांग उठाई। इस संघर्ष से जुड़ी कानूनी पहल के चलते ही 1997 में विशाखा दिशा-निर्देश जारी किए गए। हालांकि, अमूमन समाज में मौजूद असमानताएं तय करती हैं कि किसकी आवाज़ सुनी जाएगी और किसके अनुभव हाशिये पर रह जाएंगे। दलित अधिकार आंदोलनों ने जातिगत भेदभाव को व्यक्तिगत अनुभव के बजाय सामाजिक अन्याय और समानता के अधिकार के सवाल के रूप में सामने रखा है। वहीं, दलित महिला आंदोलनों ने यह रेखांकित किया है कि जाति और जेंडर के आपसी संबंधों को नज़रअंदाज़ करने से दलित महिलाओं के अनुभव व्यापक महिला अधिकारों की बहस में पीछे छूट सकते हैं।

सवाल केवल विरोध का नहीं, फैसले लेने का भी है: अधिकारों की लड़ाई केवल भेदभाव को पहचानने या उससे सुरक्षा पाने तक सीमित नहीं है। यह सवाल भी उठाती है कि समुदाय के जीवन, संसाधनों और भविष्य से जुड़े फैसले लेने का अधिकार किसके पास है। ओड़िशा की नियमगिरि पहाड़ियों में डोंगरिया कोंध समुदाय का संघर्ष इसी सवाल को सामने लाता है। यहां मुद्दा केवल खनन या विकास में से किसी एक को चुनने का नहीं था, बल्कि यह सुनिश्चित करने का भी था कि पहाड़ियों को पवित्र मानने वाले और अपनी आजीविका के लिए उन पर निर्भर समुदाय की मान्यताओं, अधिकारों और हितों को फैसले लेने की प्रक्रिया में कितनी जगह मिलती है। 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने ग्राम सभाओं को यह तय करने की ज़िम्मेदारी दी कि प्रस्तावित खनन से समुदायों के धार्मिक और सामुदायिक वन अधिकार प्रभावित होंगे या नहीं। इसके बाद हुई ग्राम सभाओं ने खनन प्रस्ताव को खारिज कर दिया। नियमगिरि का संघर्ष दिखाता है कि विकास से जुड़े फैसलों में प्रभावित समुदायों को केवल उनके नतीजे भुगतने वाले लोगों के रूप में नहीं देखा जा सकता। उन्हें फैसले लेने की प्रक्रिया में भी निर्णायक भूमिका मिलनी चाहिए।

फैसले में हिस्सेदारी से अवसरों तक : फैसले लेने की प्रक्रिया में समुदायों की भागीदारी का सवाल केवल नियमगिरि तक सीमित नहीं है। मध्य प्रदेश में तवा बांध के कारण विस्थापित आदिवासी समुदायों को अपनी ज़मीन और घर खोने के बाद बांध से बने जलाशय में मछली पकड़ने और बेचकर आजीविका चलाने के अधिकार के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ा। 1996 में आंदोलन के बाद बने तवा मत्स्य संघ ने स्थानीय मछुआरों को मछली पकड़ने और बेचने के अधिकार दिलाने में अहम भूमिका निभाई। यह संघर्ष दिखाता है कि विस्थापन के बाद केवल पुनर्वास पर्याप्त नहीं है, बल्कि आजीविका और संसाधनों पर अधिकार भी ज़रूरी हैं। वहीं, मध्य प्रदेश में केन-बेतवा लिंक परियोजना के खिलाफ आंदोलन विकास के संभावित लाभों और उसकी सामाजिक-पर्यावरणीय कीमत के बंटवारे पर सवाल उठाता है। आंदोलनकारी सिंचाई और जल उपलब्धता के लाभों के साथ विस्थापन, जंगलों, जैव विविधता और स्थानीय आजीविका पर पड़ने वाले असर को सामने ला रहे हैं। यह संघर्ष बताता है कि किसी परियोजना का आकलन केवल उसके संभावित लाभों से नहीं किया जा सकता। यह भी देखना ज़रूरी है कि उसकी कीमत कौन चुकाता है और प्रभावित समुदायों को फैसले लेने में कितनी जगह मिलती है।आंदोलन सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए कानूनों और लोकतांत्रिक व्यवस्था में बदलाव का रास्ता भी खोल सकते हैं। अधिकारों की लड़ाई शिक्षा और रोज़गार के अवसरों में हिस्सेदारी से भी जुड़ी हुई है। तमिलनाडु में अरुंधतियार समुदाय ने अनुसूचित जातियों के आरक्षण में अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करने की मांग उठाई। इसके बाद 2009 में राज्य सरकार ने अनुसूचित जातियों के निर्धारित आरक्षण के भीतर अरुंधतियार समुदाय के लिए विशेष आरक्षण का प्रावधान किया। अगस्त 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने इसे संवैधानिक रूप से वैध माना। यह मामला सवाल उठाता है कि किसी अधिकार का औपचारिक रूप से उपलब्ध होना क्या उसके लाभों तक समान पहुंच भी सुनिश्चित करता है? यदि किसी समूह को मौजूदा व्यवस्था में बराबर अवसर नहीं मिलते, तो क्या अधिकारों के भीतर अधिक न्यायसंगत बंटवारे की ज़रूरत है? बदलाव के लिए हमेशा बड़े कानूनों या नीतिगत फैसलों की ज़रूरत नहीं होती। उदाहरण के लिए, मेघालय के खेंवग गांव में महिलाओं ने मुखिया के चुनाव में मतदान का अधिकार पाने के लिए संघर्ष किया। यह दिखाता है कि स्थानीय शासन में प्रतिनिधित्व केवल पदों पर मौजूदगी का सवाल नहीं, बल्कि यह भी तय करता है कि गांव के भविष्य से जुड़े फैसलों में किनकी आवाज़ सुनी जाएगी।

जब आंदोलन व्यवस्था को जवाबदेह बनाते हैं : आंदोलनों का असर केवल लोगों को उनके अधिकार दिलाने तक सीमित नहीं रहता। वे सरकार से जवाबदेही की मांग करते हुए कानूनों और लोकतांत्रिक व्यवस्था में बदलाव का रास्ता भी खोल सकते हैं। राजस्थान में मजदूर किसान शक्ति संगठन (एमकेएसएस) ने मजदूरों को पूरी मजदूरी न मिलने के सवाल से शुरुआत की और सरकारी रिकॉर्ड तक लोगों की पहुंच की मांग उठाई। इस संघर्ष ने सूचना के अधिकार के राष्ट्रीय अभियान को मज़बूती दी और 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम बना। इस कानून ने नागरिकों को सरकारी कामकाज में पारदर्शिता मांगने और सार्वजनिक खर्च की जांच करने का कानूनी माध्यम दिया। हाशिये पर रहने वाले समुदायों के लिए आंदोलन गरिमा और बराबरी की लड़ाई भी बन सकते हैं। सफाई कर्मचारी आंदोलन ने हाथ से मैला उठाने की अमानवीय प्रथा खत्म करने और इससे जुड़े लोगों के पुनर्वास की मांग को कानूनी लड़ाई के ज़रिए आगे बढ़ाया। इसके बाद 2013 में हाथ से मैला उठाने के रोजगार का निषेध और पुनर्वास अधिनियम बना। इस मामले में अदालत ने कानून के क्रियान्वयन और प्रभावित लोगों के पुनर्वास को लेकर भी निर्देश दिए। इन दोनों संघर्षों ने अलग-अलग स्तरों पर लोकतांत्रिक जवाबदेही का दायरा बढ़ाया। एक ने सरकारी जानकारी तक नागरिकों की पहुंच को अधिकार बनाने में योगदान दिया, तो दूसरे ने जातिगत अमानवीय कुरीति को खत्म करने और प्रभावित लोगों के पुनर्वास की कानूनी ज़िम्मेदारी को सामने रखा। हालांकि, कानून बनना अपने आप में बदलाव की गारंटी नहीं है। उसका पालन और पीड़ितों तक न्याय पहुंचना भी उतना ही ज़रूरी है। इसलिए यह समझने के लिए कि कोई आंदोलन कानूनी बदलाव लाने में कितना सफल रहा, यह देखना ज़रूरी है कि लोग अपने अधिकारों से परिचित हैं या नहीं? क्या वे उसका उल्लंघन होने पर शिकायत कर सकते हैं या नहीं? और संबंधित संस्थाएं उन शिकायतों पर कार्रवाई करती हैं या नहीं?

हर आंदोलन का असर कानून में नहीं दिखता : आंदोलनों के असर को केवल कानून बनने या नीतियां बदलने से नहीं मापा जा सकता। चेन्नई के एन्नोर में स्थानीय समुदायों और चेन्नई क्लाइमेट एक्शन ग्रुप से जुड़े कार्यकर्ताओं का संघर्ष औद्योगिक प्रदूषण से आर्द्रभूमि, मछुआरों की आजीविका और लोगों के स्वास्थ्य को हो रहे नुकसान को सामने लाता है। यहां मांग केवल प्रदूषण रोकने की नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास की कीमत और स्थानीय समुदायों के हितों को सार्वजनिक बहस में जगह देने की भी है। इसी तरह, 2016 में रोहित वेमुला की मौत के बाद देशभर के विश्वविद्यालयों में हुए छात्र प्रदर्शनों ने उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिगत भेदभाव और संस्थागत जवाबदेही पर बहस को तेज़ किया। इस संघर्ष ने सवाल उठाया कि शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के साथ-साथ संस्थानों में गरिमा, समानता और भेदभाव से सुरक्षा की ज़िम्मेदारी किसकी है? आंदोलन, लोकतंत्र में हमें याद दिलाते हैं कि एक नागरिक का काम केवल फैसलों को स्वीकार करना नहीं, बल्कि उनमें हिस्सेदारी की मांग करना भी है। यह उदाहरण दिखाते हैं कि किसी समस्या को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाना भी आंदोलन का एक महत्वपूर्ण परिणाम हो सकता है। हालांकि, किसी मुद्दे पर बहस शुरू होना और उसका समाधान होना दो अलग बातें हैं। लेकिन मांगें पूरी न होने का यह अर्थ भी नहीं कि आंदोलन का कोई असर नहीं पड़ा। उसके प्रभाव को समझने के लिए यह देखना ज़रूरी है कि उसने लोगों की समझ, सार्वजनिक विमर्श और संस्थागत जवाबदेही को किस हद तक प्रभावित किया है। आंदोलन रुक गए, क्या उनकी विरासत भी खत्म हो गई? किसी आंदोलन की विरासत समझने के लिए यह देखना ज़रूरी है कि उसके दौरान बने संबंध, अनुभव और सामूहिकता आगे किस रूप में काम आए। क्या उनसे नए संगठन या पहलें शुरू हुई? क्या लोगों ने अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करने के नए तरीके सीखे? क्या आंदोलन ने आगे के प्रयासों के लिए कोई आधार तैयार किया? ऐसे सवाल आंदोलन के असर को उसके तत्काल नतीजों से आगे जाकर समझने में मदद करते हैं। 2019-20 के सीएए विरोधी आंदोलन के बाद उभरी नागरिक पहलों को इसी नज़रिए से देखा जा सकता है। इस आंदोलन में मुस्लिम महिलाओं ने नेतृत्व संभालकर सार्वजनिक बहस में अपनी राजनीतिक मौजूदगी दर्ज की। शाहीन बाग के आंदोलन से जुड़े कुछ समूहों और पहलों ने आगे शिक्षा, पुनर्वास और अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों से जुड़े ज़मीनी काम को भी आगे बढ़ाया। इस तरह, आंदोलन के दौरान बना जुड़ाव विरोध के तत्काल संदर्भ से आगे जाकर सामुदायिक पहलों का आधार बन सकता है। इसी तरह, 2020-21 के किसान आंदोलन के दौरान बने सामाजिक संबंधों और संगठनों की भूमिका 2025 में पंजाब में आई भीषण बाढ़ के दौरान राहत कार्यों में भी देखने को मिली। राहत के काम में जुटे कुछ नेटवर्क किसान आंदोलन के दौरान बनी सामूहिकता से जुड़े थे। यह उदाहरण दिखाता है कि किसी आंदोलन की विरासत केवल उसकी मांगों के पूरा होने से तय नहीं होती। विरोध के दौरान बने संबंध, संगठन और मिलकर काम करने के अनुभव आगे चलकर सामुदायिक सहयोग और नए संघर्षों का आधार भी बन सकते हैं। वहीं, आंदोलनों के नतीजे हमेशा एक दिशा में आगे नहीं बढ़ते। भारत में एलजीबीटीक्यू+ अधिकार आंदोलन इसका उदाहरण है। 2009 में दिल्ली हाई कोर्ट ने आईपीसी की धारा 377 के उस हिस्से को असंवैधानिक ठहराया, जो सहमति से बने वयस्कों के समलैंगिक संबंधों को अपराध मानता था। लेकिन 2013 में सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले को पलट दिया। लंबे संघर्ष और कानूनी चुनौती के बाद 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने सहमति से बने वयस्कों के समलैंगिक संबंधों को अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया। यह सफर दिखाता है कि कानूनी जीत हमेशा स्थायी नहीं होती। अधिकार हासिल करने के साथ-साथ उनकी रक्षा के लिए भी संघर्ष करना पड़ सकता है। इसलिए, सवाल केवल यह नहीं है कि कोई आंदोलन अपनी मांगें मनवा पाया या नहीं। यह भी देखना ज़रूरी है कि उसने किन मुद्दों को सार्वजनिक बहस का हिस्सा बनाया, किन लोगों को अपनी पहचान और अनुभवों के साथ आवाज़ उठाने का मंच दिया और उसके बाद कौन-से संघर्ष जारी रहे। आंदोलन रुक सकते हैं और उनकी मांगें अधूरी रह सकती हैं, लेकिन इससे उनकी विरासत या असर खत्म नहीं हो जाता। लोकतंत्र में आंदोलन यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी जनसमूह की मांग को केवल इस वजह से खारिज नहीं किया जा सकता, क्योंकि उनके पास सत्ता, संसाधन या सार्वजनिक मंच नहीं है। आंदोलन लोगों को अपने अनुभवों को साझा सवालों में बदलने और अपने जीवन को प्रभावित करने वाले फैसलों को चुनौती देने का रास्ता देते हैं। इसलिए आंदोलनों के असर को समझने के लिए यह देखना ज़रूरी है कि उन्होंने किन सवालों को सार्वजनिक बनाया, किन आवाज़ों को जगह दी और शासन व्यवस्था को कितना जवाबदेह बनाया। आंदोलन लोकतंत्र में अवाम के तंत्र की गवाही हैं। वह हमें याद दिलाते हैं कि एक नागरिक का काम केवल फैसलों को स्वीकार करना नहीं, बल्कि उनमें हिस्सेदारी की मांग करना भी है।

(पूजा राठी आईडीआर हिंदी में संपादकीय विश्लेषक हैं।)

संपादकीय

संगठन की विश्वसनीयता

भारत ने रिपोर्ट में गंभीर तथ्यात्मक गलतियां होने की बात कही और चेतावनी दी कि इस तरह की लापरवाही से संयुक्त राष्ट्र की छवि और विश्वसनीयता को भारी नुकसान पहुंचता है। पिछले कुछ वर्षों में युद्ध रोकने, उन्हें खत्म करने और दूसरे अंतरराष्ट्रीय विवादों को सुलझाने में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका कमजोर दिखाई दी है। इससे सवाल उठता है कि क्या इस संस्था को अपनी नीतियों और काम करने के तरीके में बदलाव करने की जरूरत है।हैरानी की बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र की कुछ रिपोर्टों में भी लापरवाही देखने को मिलती है। इससे रिपोर्ट में दी गई जानकारी पर सवाल उठते हैं और संस्था की छवि को नुकसान पहुंचता है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कुख्यात अपराधी दाऊद इब्राहिम के गिरोह 'डी-कंपनी' को भारत में स्थित बताया गया। इस रिपोर्ट में दी गई जानकारी पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सच्चाई यह है कि दाऊद इब्राहिम वर्ष 2003 में संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में शामिल किए जाने से काफी पहले ही भारत छोड़ चुका था। इसलिए उसे भारत में स्थित बताना तथ्यों से मेल नहीं खाता। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों और बयानों को दुनिया भर में गंभीरता से लिया जाता है। कई देश इनके आधार पर अपनी राय बनाते हैं और दूसरे देशों के साथ अपने संबंधों से जुड़े फैसले भी लेते हैं। सलिए भारत ने इस रिपोर्ट पर कड़ी आपत्ति जताई और इसे तथ्यों के आधार पर गलत बताया। भारत ने चेतावनी दी कि ऐसी लापरवाही से संयुक्त राष्ट्र की छवि और भरोसे को भारी नुकसान पहुंच सकता है। भारत ने पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा कि दाऊद इब्राहिम भी वहीं छिपा हुआ है, जहां अल-कायदा के प्रमुख ओसामा बिन लादेन का पता चला था और उसे मार गिराया गया था। यह समझना जरूरी है कि अगर संयुक्त राष्ट्र जैसे बड़े संगठन में किसी संवेदनशील मुद्दे पर बिना सही तथ्यों के गलत जानकारी दी जाती है, तो इससे उस संगठन की विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा को ही नुकसान पहुंचता है।

डॉ. एन.के. सोमानी,डॉ. सुरेश यादव

सरकारी स्कूलों में दाखिले के बाद की चुनौती!

निमिषा सिंह

योजनाएं खोजें बच्चा जिस भाषा में घर पर बात करता है और अपने आसपास की दुनिया को समझता है, उसी भाषा के सहारे नई बातें सीखना उसके लिए आसान होता है। शुरुआती कक्षाओं में यदि बच्चों को अपनी बात कहने और सवाल पूछने का मौका मिले, तो वे पढ़ाई से बेहतर ढंग से जुड़ सकते हैं। शिक्षक का काम केवल पाठ पढ़ाना नहीं, बल्कि यह समझना भी है कि बच्चे उसे कितना समझ पा रहे हैं। पांच साल के बच्चे के हाथ में जब पहली किताब आती है, तो उसके साथ परिवार की उम्मीदें भी स्कूल पहुंचती हैं। माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़े, आगे बढ़े और जीवन में बेहतर अवसर पाए, लेकिन क्या स्कूल में उसे ठीक से सीखने का मौका मिल रहा है? क्या वहां का माहौल उसकी उम्र और समझ के हिसाब से है? स्कूल में दाखिला मिलना एक बात है और वहां अच्छी शिक्षा मिलना दूसरी। ज़्यादा जानें 'यूनेस्को की तरफ से जारी 'ग्लोबल एजुकेशन मॉनिटरिंग' (जीईएम) रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में पांच साल के 51 प्रतिशत बच्चे पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के बजाय प्राथमिक विद्यालयों में दाखिल हैं। यह आंकड़ा बताता है कि बड़ी संख्या में बच्चे कम उम्र में ही पहली कक्षा तक पहुंच रहे हैं। इसका यह मतलब नहीं कि इन सभी बच्चों ने पहले आंगनवाड़ी या किसी दूसरे केंद्र में पढ़ाई नहीं की। सवाल यह है कि पहली कक्षा में पहुंचने के बाद उन्हें किस तरह पढ़ाया जा रहा है। पांच साल की उम्र में बच्चे खेलते हुए, कहानियां सुनते हुए और सवाल पूछते हुए बहुत कुछ सीखते हैं। इस उम्र में उनके लिए पढ़ाई का मतलब केवल किताबों से अक्षर सीखना नहीं है। यदि शुरुआत से ही उन पर जल्दी-जल्दी लिखने, अक्षर याद करने और किताबें पूरी करने का दबाव डाला जाए, तो पढ़ाई में उनकी रुचि कम भी हो सकती है। इसलिए यह देखना जरूरी है कि बच्चे स्कूल तो पहुंच रहे हैं, लेकिन वहां सीख भी पा रहे हैं या नहीं। भारत में सरकारी स्कूलों की अहमियत इसी बात से समझी जा सकती है। गांवों, छोटे कस्बों और कम आमदनी वाले परिवारों के लिए सरकारी स्कूल ही शिक्षा का सबसे सुलभ साधन हैं। हर परिवार निजी स्कूल की फीस और दूसरे खर्च नहीं उठा सकता। ऐसे में सरकारी स्कूलों की हालत का असर उन बच्चों पर सबसे ज्यादा पड़ता है, जिनके पास दूसरे विकल्प नहीं हैं। एक तरफ कुछ परिवार अपने बच्चों को अच्छी सुविधाओं वाले स्कूलों में पढ़ा सकते हैं, वहीं दूसरी तरफ कई बच्चों को कमरों, शिक्षकों और पढ़ाई के साधनों की कमी के बीच पढ़ना पड़ता है। ऐसे में शिक्षा सबको आगे बढ़ने का समान अवसर कैसे दे पाएगी? सरकारी स्कूलों में बच्चों का



नामांकन बढ़ाना जरूरी है, लेकिन उतना ही जरूरी है कि उन्हें पढ़ने और समझने के लिए अच्छा माहौल भी मिले। फैमिली ट्रिप बुक करें बिहार के रोहतास जिले के रूपिबांध प्राथमिक विद्यालय की एक खबर इस स्थिति को समझने में मदद करती है। अक्टूबर 2026 की खबर के मुताबिक, वहां कक्षा एक से पांच तक के 82 बच्चे लगभग 20 गुणा 15 फुट के एक कमरे में पढ़ते हैं। स्कूल में चार शिक्षक और एक ब्लैक बोर्ड है। इसी कमरे में प्रधानाध्यापक का कार्यालय भी है और मध्याह्न भोजन की सामग्री भी रखी जाती है। यह बिहार के एक स्कूल का उदाहरण है, पूरे राज्य की तस्वीर नहीं, लेकिन इससे यह सवाल जरूर उठता है कि एक ही कमरे में पांच कक्षाओं के बच्चे पढ़ रहे हों, तो हर कक्षा पर कितना ध्यान दिया जा सकता है? पांच साल के बच्चों को खेल और गतिविधियों के जरिए पढ़ाने की बात करना आसान है, लेकिन इसके लिए जगह और जरूरी साधन भी तो होने चाहिए। केवल पाठ्यक्रम बदलने से स्कूलों की समस्याएं दूर नहीं होंगी। शिक्षा मंत्रालय के 2025-26 के आंकड़ों के मुताबिक, देश में सरकारी और निजी सहित सभी तरह के 1,00,843 स्कूल ऐसे हैं, जहां केवल एक शिक्षक दर्ज है। इनमें महाराष्ट्र के 9,269, उत्तरप्रदेश के 7,874, राजस्थान के 7,200 और बिहार के 2,006 स्कूल शामिल हैं। ये आंकड़े खाली पदों के नहीं, बल्कि एक शिक्षक वाले स्कूलों के हैं। रिसर्च बुक्स पढ़ें अब सवाल यह है कि जहां एक शिक्षक को कई कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाना पड़ता है, वहां हर बच्चे की जरूरत पर कितना ध्यान दिया जा सकता है? पहली कक्षा में आने वाले सभी बच्चों की समझ और सीखने की गति एक जैसी नहीं होती। कुछ बच्चे घर पर किताबों और कहानियों से परिचित होते हैं, तो कुछ के लिए स्कूल ही सीखने का पहला बड़ा अनुभव होता है। ऐसे में शिक्षक को हर बच्चे को समझने और उसके हिसाब से पढ़ाने का समय मिलना भी जरूरी है। उत्तरप्रदेश में इस दिशा में एक पहल की गई है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कक्षा एक के बच्चों के लिए 12 सप्ताह का 'विद्या प्रवेशइ कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें खेल और दूसरी गतिविधियों के जरिए बच्चों को भाषा, शुरुआती गणित और आसपास की दुनिया के बारे में सिखाने का लक्ष्य है। ऐसी पहल का उद्देश्य बच्चों को पहली कक्षा की पढ़ाई के लिए तैयार करना है, लेकिन किसी योजना का असली असर तभी दिखता है, जब वह कक्षा में ठीक से लागू हो। इसके लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण और जरूरी सामग्री मिलनी चाहिए। बच्चों को भी अपनी बात कहने, सवाल पूछने और दूसरे बच्चों के साथ मिलकर सीखने का मौका मिलना चाहिए। उत्तरप्रदेश के 200 सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में किए गए एक अध्ययन के नतीजे इस ओर ध्यान दिलाते हैं। 'टीचिंग लर्निंग प्रैक्टिसेज सर्वे 2025' के मुताबिक, लगभग दो-तिहाई कक्षाओं में बच्चों को खुलकर बोलने, शिक्षक से बातचीत करने और एक-दूसरे से सीखने के सीमित अवसर मिले। अध्ययन में 73 प्रतिशत शिक्षकों को बच्चों की घरेलू भाषा की जानकारी थी, लेकिन लगभग 10 प्रतिशत शिक्षक ही उस भाषा का नियमित इस्तेमाल करते पाए गए। वकील सलाह लें बच्चा जिस भाषा में घर पर बात करता है और अपने आसपास की दुनिया को समझता है, उसी भाषा के सहारे नई बातें सीखना उसके लिए आसान होता है। शुरुआती कक्षाओं में यदि बच्चों को अपनी बात कहने और सवाल पूछने का मौका मिले, तो वे पढ़ाई से बेहतर ढंग से जुड़ सकते हैं। शिक्षक का काम केवल पाठ पढ़ाना नहीं, बल्कि यह समझना भी है कि बच्चे उसे कितना समझ पा रहे हैं। इस पूरी चर्चा में आंगनवाड़ी की भूमिका को भी नहीं भूलना चाहिए। 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' में तीन से छह साल के बच्चों की शुरुआती शिक्षा पर जोर दिया गया है। इस उम्र में खेल, गीत, कहानियां और बातचीत बच्चों को सीखने में मदद करते हैं। इसलिए आंगनवाड़ी से प्राथमिक विद्यालय तक बच्चे की पढ़ाई का सिलसिला बना रहना चाहिए। बिहार में 'एएसई आर 2024इ की रिपोर्ट के मुताबिक, पांच साल के बच्चों का आंगनवाड़ी में नामांकन 2018 के 36.4 प्रतिशत से बढ़कर 2024 में 48.3 प्रतिशत हो गया। यह अच्छी बात है कि आंगनवाड़ी तक पहुंचने वाले बच्चों की संख्या बढ़ी है, लेकिन इसके साथ यह भी देखना होगा कि वहां बच्चे जो सीखते हैं, उसे पहली कक्षा में आगे बढ़ाने की व्यवस्था है या नहीं। यदि दोनों के बीच तालमेल हो, तो बच्चे के लिए स्कूल में आगे की पढ़ाई समझना आसान हो सकता है। 'यूनेस्को' की रिपोर्ट ने शुरुआती शिक्षा पर चर्चा का एक जरूरी आधार दिया है। पांच साल के बच्चों का प्राथमिक विद्यालय में दाखिला अपने आप में गलत नहीं है। असली बात यह है कि स्कूल उनकी उम्र और जरूरतों के मुताबिक पढ़ाने के लिए तैयार हैं या नहीं। बच्चों को पर्याप्त शिक्षक, ठीक कक्षाएं और सीखने के अच्छे अवसर मिलें, तभी कम उम्र में स्कूल पहुंचना उनके लिए उपयोगी साबित होगा। ऑनलाइन कोर्स चुनें।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

आर्थिक और सामाजिक मोर्चे पर अनदेखी से बिगड़े हालात

डॉ. एन.के. सोमानी,डॉ. सुरेश यादव

ज्ञान, समृद्धि और शक्ति का प्रतीक कहे जाने वाला यूरोप इन दिनों हिंसा और उपद्रव का केंद्र बना हुआ है। शिक्षा बजट में कटौती, बढ़ती महंगाई, आवास संकट और सरकारी नीतियों के खिलाफ यूरोप के विभिन्न देश हिंसक आंदोलन की चपेट में हैं। फ्रांस, इटली, बेल्जियम, स्पेन, अल्बानिया और पुर्तगाल के बड़े शहरों में आगजनी, लूटपाट और पुलिस के साथ झड़पें देखने को मिल रही हैं।जर्मन, ग्रीस और आयरलैंड में भी विभिन्न मुद्दों को लेकर छात्र और नागरिक आंदोलन कर रहे हैं। यूरोप से आ रही हिंसा, आगजनी और लूटपाट की भयावह तस्वीरों ने साल 2010 में हुए मध्यपूर्व और उत्तरी अफ्रीका के विरोध प्रदर्शनों और क्रांतियों (अरब स्प्रिंग) की याद ताजा कर दी है। दुनिया के अन्य किसी भी महाद्वीप की तुलना में यूरोप आर्थिक विकास, लिविंग स्टैंडर्ड और नगरीकरण के मामले में आगे है। वैश्विक धन और समृद्धि का सबसे बड़ा सूचक होने के बावजूद जिस तरह से यूरोप की जनता महंगाई, जीवनयापन के बढ़ते खर्च, महंगे घर, शिक्षा एवं सार्वजनिक सेवाओं की बदहाली के खिलाफ सड़कों पर उतरी है, उसे देखकर

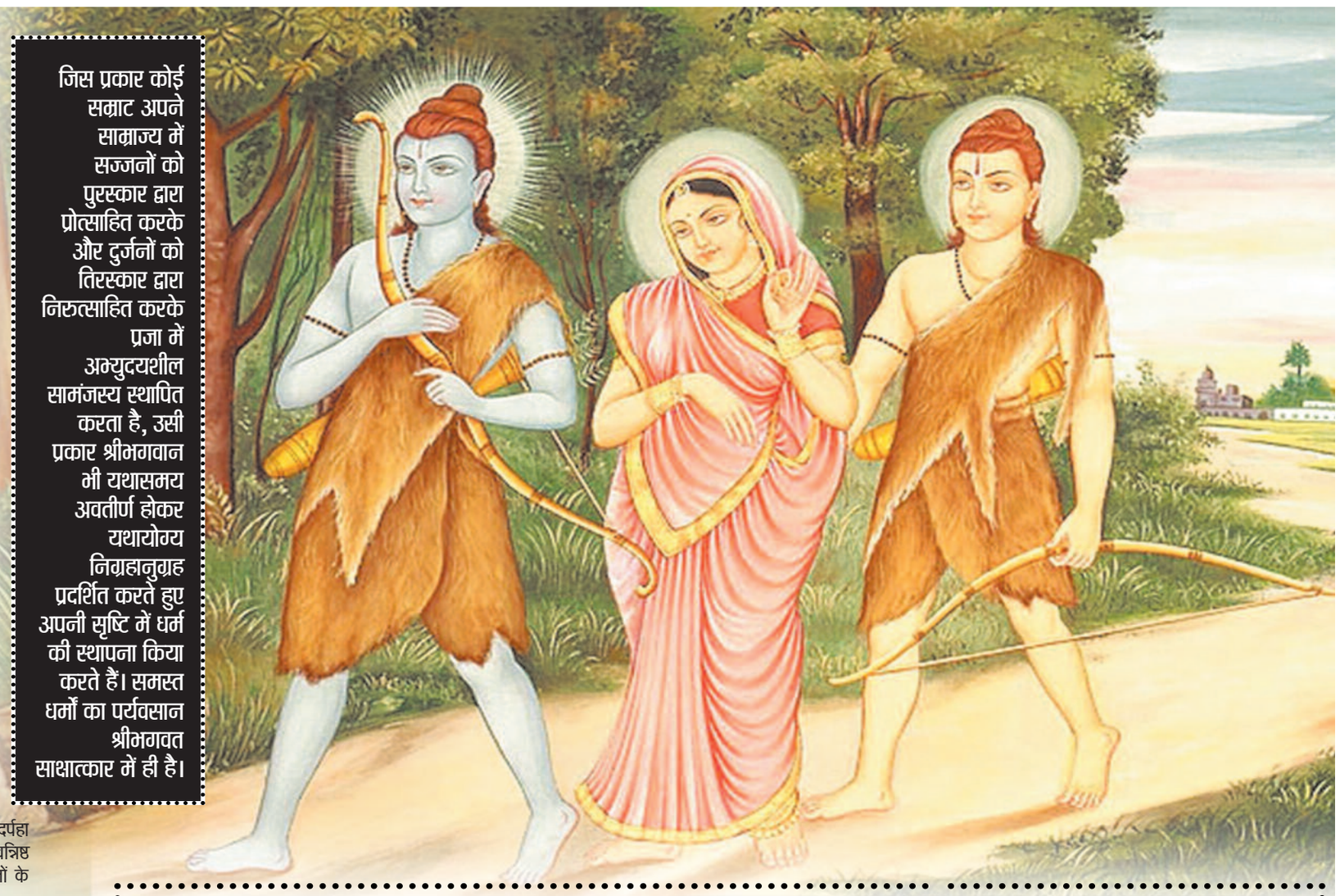


दुनिया के अन्य देशों की सरकारों की बैचेनी बढ़ना स्वाभाविक है। फ्रांस की स्थिति सबसे ज्यादा खराब है। स्कूलों की बदहाली के विरोध में शुरू हुआ आंदोलन सरकार विरोधी आंदोलन में बदल गया। 'ब्लॉक एवरीथिंग' आंदोलन के चलते पेरिस, मार्सिले और ल्योन में जबर्दस्त आगजनी और लूटपाट हुई है। छात्र संगठनों, ट्रेड यूनियनों और आम नागरिकों के नेतृत्व में हो रहे प्रदर्शनों ने सरकारों के सामने कानून-व्यवस्था और आर्थिक संतुलन बनाए रखने की कड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फ्रांस सरकार ऐसा कानून लाने की तैयारी कर रही है, जिसके तहत प्रदर्शनों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों पर भारी वित्तीय जुर्माना लगाया जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि लोगों की नाराजगी की वजह क्या है? हालांकि भिन्न-भिन्न देशों में विरोध के कारण भिन्न-भिन्न है, लेकिन सबके मूल में आर्थिक और सामाजिक मोर्चे पर सरकारों की कथित विफलताएं छिपी हुई हैं। आंदोलन ने फ्रांस को वैचारिक रूप से विभाजित किया है। फ्रांस में अगले साल राष्ट्रपति चुनाव होने हैं। संसद में राष्ट्रपति मैत्रों का मध्यमार्गी गठबंधन अल्पमत में है। दूसरी ओर विपक्ष भी इन प्रदर्शनों को चुनावी हथियार के रूप में देख रहा है। वामपंथी और दक्षिणपंथी दल लगातार सरकार पर विफल रहने का आरोप लगा रहे हैं। कुल मिलाकर कहें तो सरकार का भविष्य फिलहाल सख्त सुरक्षात्मक कार्रवाई, कड़े बजटीय सुधारों और राजनीतिक गतिरोध के बीच संतुलन बनाने पर टिका हुआ है।इसमें कोई दो राय नहीं कि फ्रांस में सुलग रही विरोध प्रदर्शनों की यह आग पूरे यूरोप के लिए एक हाई अलर्ट है। फ्रांस ही नहीं कमोबेश यूरोप के अधिकांश हिस्सों से आने वाली तस्वीरों ने वहां की संवेदनशील व उदारवादी सरकारों की अदूरदर्शिता व मूढ़ता दोनों की पुष्टि कर दी है। ऐसे में यदि वहां की सरकारों ने देश की कथित सवीतम शासन पद्धति की सीमाओं का पुनः आकंलन नहीं किया तो शासन का यह तरीका यूरोप के समृद्ध देशों को बड़ा नुकसान पहुंचाएगा।

(डॉ. एन.के. सोमानी,डॉ. सुरेश यादव (अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार)

Published ,printed and owend by vuppala Sujatha printed at 17-1-469/42/23,Adarsha nagar,Near Unique Gramar School,Saidabad, Hyderabad-500059, Telangana . Published at 17-1-469/42/23,Adarsha nagar,Near Unique Grammar School,Saidabad, Hyderabad-500059, Telangana Editor : chiluka Sudha ph: 9000657700 PRGI NO: TELHIN/2000/04452

अवतार के रूप में क्यों आते हैं भगवान



जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है।

भगवान के अवतार के तीन कारण होते हैं– पहला अनुग्रह अथवा साधुपरित्राण, दूसरा निग्रह अथवा दुष्कृतकारियों का विनाश और तीसरा धर्मसंस्थापन। जिस प्रकार कोई सम्राट अपने साम्राज्य में सज्जनों को पुरस्कार द्वारा प्रोत्साहित करके और दुर्जनों को तिरस्कार द्वारा निरुत्साहित करके प्रजा में अभ्युदयशील सामंजस्य स्थापित करता है, उसी प्रकार श्रीभगवान भी यथासमय अवतीर्ण होकर यथायोग्य निग्रहानुग्रह प्रदर्शित करते हुए अपनी सृष्टि में धर्म की स्थापना किया करते हैं। समस्त धर्मों का पर्यवसान श्रीभगवत साक्षात्कार में ही है। भगवत साक्षात्कार तभी हो सकता है, जब भगवान में निष्ठा हो। निष्ठा तभी होती है जब अनुराग हो, अनुराग उसी में होता है, जिसकी ओर आकर्षण होगा। अतएव जीवजात को अपनी ओर आकृष्ट करने के लिए ही भगवान अवतार रूप में ऐसी–ऐसी मनमोहिनी क्रीड़ाएं करते हैं कि जिन्हें सुनकर श्रोताओं का मन उनमें बलात् आसक्त हो जाता है

बालक, युवक और वृद्ध, पंडित और मूर्ख, राजा और प्रजा, स्त्री और पुरुष, विषयी और विरागी, सभी का भगवल्लीला श्रवण से उधर आकर्षण होता है, जो परिणाम में प्रपंचातीत परमात्मा तक पहुंचा देता है। ज्ञान–विज्ञान विनाशन काम को गीता में आचार्य रामानुज के अनुसार बुद्धि से भी बलवत्तर बताया गया है। उसी महापाप, महावैरी, दुष्पूर काम को भक्तजन अनायास जीत सकें, इसलिए भगवान अपने अवतार चरित्रों द्वारा मदन–दमन लीलाएं करते हैं। उदाहरण के लिए कोटि–कन्दर्पदर्पहा श्रीकृष्ण की योगमाया द्वारा प्रसाधित रासलीला का दर्शन करके उस समय अनेक देवादि भी भगवन्निष्ठ होकर कृतकृत्य हो गये और अब भी उस परम उज्ज्वल लीला का श्रद्धापूर्वक अध्ययन करने वालों के मदनरूपी हृदय रोग का स्वयमेव शमन हो जाता है।

नित्यविभूति से लीलाविभूति में श्रीराम, श्रीकृष्ण आदि रूपों में श्रीभगवान का अवतार आगम ग्रंथों में विभव कहलाता है। श्रीमत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, राम (जामदग्न्य), राम (दाशरथि), कृष्ण, बुद्ध और कल्कि, ये दस अवतार प्रसिद्ध हैं। श्रीवराह, सनकादि, नारद, नर–नारायण, कपिल, दत्तात्रेय, यज्ञ, ऋषभ, पृथु, मत्स्य, कूर्म, धन्वन्तरि, मोहिनी, नृसिंह, वामन, परशुराम, वेदव्यास, राम, बलराम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि– ये 22 अवतार कहलाते हैं। हंस और हयग्रीव की संख्या मिलाने से यह 24 होते हैं। आगम ग्रंथों में अन्यान्य अवतारों के भी नाम उपलब्ध होते हैं।

विभव के दो भेद हैं– स्वरूपावतार और आवेशावतार। जब श्रीभगवान स्वरूप में अर्थात् स्वयं ही अवतीर्ण होते हैं, तब उनका वह रूप स्वरूपावतार कहलाता है, जैसे दाशरथि श्रीराम, किंतु जब किसी जीव विशेष में परमात्मा की शक्ति का आवेश होता है, तब उसे आवेशावतार कहते हैं, जैसे जामदग्न्य राम।

जिस रूप में परब्रम्ह परमात्मा अपने समग्र ऐश्वर्य माधुर्य को लिये हुए ही अवतीर्ण होते हैं, उसे पूर्णावतार कहते हैं। किंतु जिस रूप में आवश्यकतानुसार वे अपने प्रभाव का आंशिक प्राकट्य ही दिखलाते हैं, उसको अंशावतार कहते हैं। अंश के तुरीय भाग को कला कहते हैं। अतएव अंशावतार का अवान्तर भेद होने से कलावतार को उसी के अन्तर्भूत समझना चाहिए।

सरल उपाय अपनाएं शर्तियां वास्तुदोष भगाएं



- घर का मुख्य द्वार सदैव पूर्व या उत्तर में ही होना चाहिए किंतु यदि ऐसा न हो पा रहा हो तो घर के मुख्य द्वार पर 'स्वास्तिक' की प्राण प्रतिष्ठा करवाकर लगाने से नकारात्मक ऊर्जा का नाश और सकारात्मक ऊर्जा का विकास होने लगता है। घर की स्थिति अनुकूल होने लगती है।
- घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा रखें। सुबह उसमें जल अर्पित करें तथा शाम को दीपक जलाएं। पूर्व या उत्तर दिशा में तुलसी का पौधा लगाने से घर के सदस्यों में आत्मविश्वास बढ़ता है। घर की छत पर तुलसी का पौधा रखने से घर पर बिजली गिरने का भय नहीं रहता। घर में किसी प्रकार के वास्तु दोष से बचने के लिए घर में पांच तुलसी के पौधे लगाएं तथा उनकी नियमित सेवा करें।
- ध्यान रहे कि घर में खिड़की दरवाजों की संख्या सम हो जैसे (2, 4, 6, 8, 10) तथा दरवाजे खिड़कियां अंदर की तरफ ही खुलें। द्वार खोलते–बंद होते समय किसी भी प्रकार की कर्कश ध्वनि नहीं आनी चाहिए। ये अशुभ सूचक होता है।
- यदि किसी भिक्षुक को भिक्षा देनी हो तो घर से बाहर आकर ही दें अन्यथा अनहोनी होने की संभावना रहती है।
- इस बात का ध्यान रहे कि घर में कभी भी फालतू सामान, टूटे–फूटे फर्नीचर, कूड़ा कबाड़ तथा बिजली का सामान इकट्ठा न होने पाए। अन्यथा घर में बेवजह का तनाव बना रहेगा।
- घर के किसी भी कोने में सीलन नहीं होनी चाहिए और न ही घर के किसी कोने में रात को अंधेरा रहना चाहिए। शाम को कम से कम 15 मिनट पूरे घर की लाइट अवश्य जलानी चाहिए। बिजली के स्विच, मोटर, मेन मीटर, टी.वी., कम्प्यूटर आदि आग्नेय कोण में ही होने चाहिए इससे आर्थिक लाभ सुगमता से होता है।
- घर में पुस्तकें रखने का स्थान उत्तर या पूर्व में ही होना चाहिए तथा पुस्तकों को बंद अलमारी में ही रखना चाहिए।
- घर में कभी भी मकड़ी के जाले नहीं लगने चाहिए नहीं तो राहु खराब होता है तथा राहु के बुरे फल भोगने पड़ते हैं।
- संध्या के समय घर में एक दीपक अवश्य जलाएं तथा ईश्वर से अपने द्वारा किए गए पापों के लिए क्षमा याचना करें।



बृहस्पति जी को देवगुरु पद किसने प्रदान किया

पुराणों के अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र अंगिरा ऋषि का विवाह स्मृति से हुआ। जिनसे सिनीवाली, कुहू, राका, अनुमति नाम कि कन्याएं एवं उतथ्य व जीव नामक पुत्र हुए। जीव बचपन से ही शांत एवम जितेन्द्रिय प्रकृति के थे। वे समस्त शास्त्रों तथा नीति के ज्ञाता हुए। अंगिरा नंदन जीव ने प्रभास क्षेत्र में शिवलिंग कि स्थापना कि तथा शिव को प्रसन्न करने के लिए घोर तप किया।

महादेव ने उनकी आराधना एवं तपस्या से प्रसन्न हो कर उन्हें साक्षात दर्शन दिए और कहा, हे द्विज श्रेष्ठ ! तुमने बहुत तप किया है। अत: तुम बृहस्पति नाम से प्रसिद्ध हो कर देवताओं के गुरु बनों और उनका धर्म व नीति के अनुसार मार्गदर्शन करो। इस प्रकार महादेव ने बृहस्पति को देवगुरु पद और नवग्रह मंडल में स्थान प्रदान किया। तभी से जीव, बृहस्पति और गुरु के नाम से विख्यात हुए। देवगुरु कि शुभा,तारा और ममता तीन पत्नियां हैं। उनकी तीसरी पत्नी ममता से भरद्वाज एवं कच नामक दो पुत्र हुए। बृहस्पति ग्रह सब ग्रहों में सबसे अधिक वजनी और पृथ्वी से बहुत नज़दीक 37 करोड़ मील से भी कम दूरी पर हैं। इस ग्रह पर वायु नहीं है इसके धरातल पर हमेशा लावा फूटता रहता है इसलिए जो हमारे गुरुजन है उनके अन्दर जो ज्ञान रूपी लावा है वो हमारे कल्याण के लिए निरंतर बहता रहता है।

शनि देव लंगड़े एवं शनेश्चर क्यों कहलाते हैं?



सूर्यदेव की पत्नी संज्ञा उनका तेज सहन न कर पाने से अपनी प्रतिमूर्ति छाया को प्रकट कर और उन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारी सौंप तपस्या करने चली गई। छाया संज्ञा का प्रतिरूप बन सूर्यदेव के साथ सुखी दांपत्य जीवन व्यतित करने लगी। इस दौरान छाया और सूर्यदेव के पांच पुत्र हुए। जब उसके स्वंय के बच्चे हो गए तो उसका मन उनमें ही रम गया और संज्ञा के बच्चों के प्रति उसका विमाता सा व्यवहार हो गया। एक दिन छाया अपने बच्चों को खाना परोस रही थी। शनिदेव भूख से व्याकुल होकर छाया के पास आए और उनसे भोजन परोसने को कहने लगे पर छाया ने उनकी तरफ ध्यान न दिया। अपने बच्चों को प्रेमपूर्वक भोजन कराती रही। छाया के व्यवहार से शनिदेव को बहुत क्रोध आया और उन्होंने छाया को मारने के लिए अपनी टांग उठायी। तभी छाया ने शनिदेव को श्राप देते हुए कहा कि, तेरी यह टांग अभी टूट जाए। उसी समय शनिदेव लंगड़े हो गए। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनि देव को कू ग्रह माना जाता है। मान्यता है की जिसकी कुण्डली में शनि नकारात्मक भाव में हो उसे बहुत सी मुसिबतों का सामना करना पड़ता है। वह नौ ग्रहों में सबसे धीमे ग्रह हैं क्योंकि ज्योतिष की दृष्टि से शनि लंगड़ा है और एक राशि में करीब ढाई वर्ष तक रुकता है। इसी वजह से इन्हें शनेश्चर भी कहा जाता है क्योंकि ये शनै: शनै: चलते हैं।

गणेश मंत्र करेगा सभी कामनाओं की पूर्ति

गणपति जी का बीज मंत्र गं है। इनसे युक्त मंत्र– ऊँ गं गणपतये नम: का जप करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

- बुद्धि का विकास करना चाहते हैं तो श्री गणेश जी के मंत्र ऊँ गं गणपतये नम: का एक माला जाप करें और 11 मोदक या लड्डू का भोग लगाएं।
- बच्चे का मन पढाई में न लग रहा हो तो प्रत्येक बुधवार ऊँ गं गणपतये नम: मंत्र के साथ 11 दूर्वा 6 हरी घास 8 गणेश जी को आर्पित करें।
- व्यवसाय न चल रहा हो या घाटे पड़ रहे हो तो प्रत्येक बुधवार 11 दूर्वा ऊँ गं गणपतये नम: मंत्र के साथ चढ़ावे तथा 21 लड्डू का भोग लगा कर ग्राहकों में बांटे।
- चूहों से परेशान हैं तो एक कटोरी में जल लेकर ऊँ गं गणपतये नम: मंत्र को पढकर कटोरी को रात भर जमीन पर रख दें सुबह जल पौधों में डाल दें। चूहे भाग जाएंगे।
- अगर आपका व्यवसाय बन्द होने के कगार पर है तो 108 लड्डू 108 दूर्वा के साथ गणेश जी का अभिषेक कराएं।

इस मंत्र जाप के अतिरिक्त गणपति अथर्वशीर्ष, संकटनाशक गणेश स्त्रोत, गणेशकवच, संतान गणपति स्त्रोत, ऋणहर्ता गणपति स्त्रोत, मयूरेश स्त्रोत, गणेश चालीसा का पाठ करने से गणेश जी की कृपा शीघ्र प्राप्त होती है ।

हिन्दी दैनिक
आकाश ज्योति

गुणवत्ता उल्लंघन पर बीआईएस का शिकंजा, कई कंपनियों पर जुर्माना

मुंबई ।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की देशव्यापी मुहिम के तहत महाराष्ट्र, केरल और ओडिशा की अदालतों ने अनिवार्य सुरक्षा एवं गुणवत्ता मानकों का उल्लंघन करने वाली कई कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई घटिया उत्पादों के निर्माण और गुणवत्ता प्रमाणन में धोखाधड़ी रोकने के लिए की गई है। बीआईएस अधिनियम, 2016 के तहत इन कंपनियों पर लाखों रुपये के जुर्माने के साथ उत्पाद भी जब्त किए गए। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र में एक आयातक कंपनी पर 34 लाख रुपए, केरल में नकली आईएसआई मार्क वाले इस्पात के लिए 6 लाख रुपए का जुर्माना लगा। पैकेटबंद पेयजल पर अनधिकृत आईएसआई चिह्न और बिना हॉलमार्क वाले सोने के आभूषण बेचने पर भी दो से तीन लाख रुपये तक के जुर्माने किए गए। बीआईएस ने सभी विनिर्माताओं, आयातकों और खुदरा विक्रेताओं से गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) और हॉलमार्किंग नियमों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया है। उल्लंघन पर भारी जुर्माना, सामान की जब्ती और कारावास तक की कड़ी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी ने भारत में नोकिया के साथ किया पांच साल का अनुबंध

नई दिल्ली ।

एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज ने भारत में इंजीनियरिंग तथा अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों में सहयोग के लिए नोकिया के साथ पांच साल का अनुबंध करने की सोमवार को घोषणा की। बताया जा रहा है कि इस अनुबंध के तहत एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज (एलटीटीएस) की इंजीनियरिंग क्षमताओं और नोकिया के दूरसंचार प्रौद्योगिकी संबंधी कार्यों को एक साथ लाया जाएगा। हालों कि अनुबंध के आकार या वित्तीय विवरणों का खुलासा नहीं किया गया। समझौते के तहत, एलटीटीएस उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन तथा उत्पाद सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में नोकिया के अनुसंधान एवं विकास कार्यक्रमों में सहयोग करेगी। एलटीटीएस नोकिया की इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास पहलों में सहयोग के लिए भारत में एक समर्पित ऑफशोर डेवलपमेंट सेंटर (ओडीसी) स्थापित करेगी। इस सहयोग में अनुसंधान एवं विकास, उत्पाद इंजीनियरिंग, नए उत्पादों का विकास, एम्बेडेड सिस्टम, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन और निरंतर सहायता शामिल होगी।

नेपाल ने भारत को 3.9 करोड़ डॉलर की बिजली का निर्यात किया

काठमांडू ।

नेपाल ने मध्य सितंबर से मध्य अक्टूबर के बीच भारत को 3.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य की बिजली का निर्यात किया। एक स्थानीय मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नेपाल विद्युत प्राधिकरण (एनईए) के एक अे धिकारी ने कहा कि अगस्त में अचानक बाढ़ के कारण आई मामूली बाधा के बाद इस अवधि के दौरान बिजली का निर्यात फिर से पटरी पर आ गया है। नेपाल-तिब्बत सीमा के पास ऊपरी हिमालय में 26 अगस्त को बर्फ और चट्टान के खिसकने से आई अचानक बाढ़ ने उत्तरी और मध्य नेपाल में कस्बों और गांवों को तहस-नहस कर दिया था। इस आपदा में लगभग 1,400 लोग मारे गए, जबकि 5,000 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।बाढ़ के दौरान घर, वाहन, सड़कें, पुल और जलविद्युत परियोजनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने कहा कि सीमा पार बिजली आपूर्ति का लगभग दो-तिहाई हिस्सा द्विपक्षीय समझौतों के तहत भारत को निर्यात किया गया।

महंगे मेवों ने बिगाड़ी दिवाली की मिठास, पिस्ता 60 फीसदी तक उछला

- अंतर्राष्ट्रीय तनाव से आपूर्ति बाधित; कारोबारियों और आम लोगों की बढ़ी चिंता

नई दिल्ली । दिवाली की दस्तक के साथ ही सूखे मेवों की बढ़ती कीमतों ने उपभोक्ताओं और व्यापारियों दोनों की चिंता बढ़ा दी है। दिल्ली के खारी बावली थोक बाजार में पिस्ता और बादाम जैसे प्रमुख मेवों के दाम आसमान छू रहे हैं, जिसका सीधा असर त्योहार के गिफ्ट पैक्स पर पड़ रहा है। इस महंगाई ने पहले से तय बजट को हिला दिया है। इस बार दिवाली के मौके पर सूखे मेवों की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया है। थोक बाजार में पिस्ता करीब 40 फीसदी और खुदरा में 60 फीसदी तक महंगा हो गया है, जबकि बादाम के दाम भी 30 से 40 फीसदी बढ़ गए हैं। नतीजतन, दुकानदार बजट में गिफ्ट पैक तैयार करने के लिए पिस्ता को थाली से हटाने या उसकी मात्रा कम करने पर मजबूर हैं। कारोबारियों का कहना है कि त्योहारों के पीक सीजन में भी बिक्री प्रभावित हो रही है और ग्राहक कम मात्रा में खरीदारी कर रहे हैं, जिससे बाजार की रौनक फीकी पड़ रही है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 482, निफ्टी 153 अंक उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले-जुले संकतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज इक्विटी बाजार में जोरदार बढ़त रही जिसके कारण प्रमुख सूचकांक निफ्टी और सेंसेक्स मजबूती के साथ बंद हुए। लगातार चार सत्रों की गिरावट के बाद निवेशकों ने निचले स्तरों पर खरीदारी का रुख अपनाया, जिससे बाजार में रौनक लौटी।इससे दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई का सेंसेक्स 482.92 अंक की बढ़त के साथ ही 73,606.75 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 153.20 अंक उछलकर 22,753.20 पर पहुंच गया। इस उछाल के कारण पिछले हफ्ते की गिरावट से निवेशकों कुछ हद तक उबर गये हैं। आज निफ्टी में सबसे ज्यादा बढ़त दर्ज करने वाले शेयरों में डॉ रेड्डीज लैब्स, बीएसई लिमिटेड, जेएसडब्ल्यू स्टील, मैक्स हेल्थकेयर और एटरनल शामिल रहे1 दूसरी ओर, श्रीराम फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फाइनेंस और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में गिरावट रही। सेक्टोरल मोर्चे पर भी सकारात्मक माहौल रहा। एफएमसीजी, मीडिया और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स को छोड़कर अन्य सभी सेक्टोरल सूचकांक तेजी पर बंद हुए। फार्मा, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर में मजबूत तेजी दर्ज की गई, जबकि इंफ्रा, आईटी, प्राइवेट बैंक, एनर्जी और रियल्टी सेक्टर में भी बढ़त रही। व्यापक बाजारों में भी तेजी का रुझान रहा, जिसमें निफ्टी मिडकैप सूचकांक और स्मॉलकैप सूचकांक में बढ़त रही। आज बाजार की इस तेजी का कारण कच्चे तेल की कीमतों में नरमी भी रही जिससे बाजार में उत्साह का माहौल रहा। इसके अलावा इसके अतिरिक्त, विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने भी बाजार ऊपर आया है। शुक्रवार को विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 887.65 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे, जो अक्टूबर के शुरुआती दिनों में भारतीय शेयरों से भारी निकासी कुल 48,056 करोड़ रुपये के बाद एक सकारात्मक संकेत था। वहीं इससे पहले आज सुबह अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार कमजोर खुला। महंगे कच्चे तेल और ग्लोबल मार्केट में बिकवाली का दबाव देखने को मिल रहा है।



ग्लांस को एल कैटरटन से मिला निवेश, एजेंटिक कॉमर्स में नया मुकाम

- जियो समर्थित स्वदेशी एआई प्लेटफॉर्म ने उपभोक्ता केंद्रित निवेश कंपनी से जुटाई पूंजी

नई दिल्ली । जियो प्लेटफॉर्म्स समर्थित स्वदेशी एआई एजेंटिक कॉमर्स मंच ग्लांस ने उपभोक्ता क्षेत्र पर केंद्रित वैश्विक निवेश कंपनी एल कैटरटन से नई इक्विटी शेयर जारी कर अघोषित राशि जुटाई है। सोमवार को इसकी घोषणा करते हुए कंपनी ने इस निवेश को अपने अभिनव एजेंटिक शॉपिंग मॉडल की पुष्टि बताया, जो वाणिज्य के भविष्य को आकार देने पर केंद्रित है। इनमोबी और ग्लांस के एक वे रिरुष्ठ अे धिकारी ने कहा, एल कैटरटन उपभोक्ता क्षेत्र की सबसे प्रतिष्ठित निवेश कंपनियों में से एक है। ग्लांस में उसका निवेश हमारे बनाए खरीदारी मॉडल की पुष्टि करता है। हमारा मानना है कि वाणिज्य का भविष्य खोज के दायरे से आगे बढ़कर एजेंटिक शॉपिंग की ओर जाएगा। एल कैटरटन के एक अे धिकारी ने कहा कि एजेंटिक कॉमर्स उपभोक्ताओं के उत्पादों को खोजने और खरीदने के तरीके में बुनियादी बदलाव ला रहा है, जिससे उन ब्रांडों के लिए बड़े अवसर पैदा हो रहे हैं जो खरीदारी की प्रक्रिया को अधिक व्यक्तिगत, सहज और आकर्षक बना सकते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ग्लांस इस बदलाव का लाभ उठाने के लिए विशिष्ट स्थिति में है। ग्लांस ने काफी समय बाद यह नई पूंजी जुटाई है। कंपनी ने इससे पहले फरवरी 2022 में जियो प्लेटफॉर्म्स से 20 करोड़ डॉलर और दिसंबर 2020 में गूगल तथा मिथ्रिल कैपिटल से 14.5 करोड़ डॉलर का निवेश प्राप्त किया था। एजेंटिक कॉमर्स से तात्पर्य कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित एजेंटों द्वारा उपभोक्ता की जरूरत के अनुसार खरीदारी में मदद करने से है।

एलटीटीएस-नोकिया में पांच साल का रणनीतिक गठबंधन

नवाचार और उत्पाद विकास पर होगा जोर

नई दिल्ली (ईएमएस)। एलएंडटी टेक्नोलॉजी सर्विसेज (एलटीटीएस) ने सोमवार को दूरसंचार दिग्गज नोकिया के साथ पांच साल के एक रणनीतिक अनुबंध की घोषणा की। इस साझेदारी का उद्देश्य भारत में नोकिया की इंजीनियरिंग और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों को मजबूत करना है, जिससे नवाचार और उत्पाद विकास को गति मिल सके। इस अनुबंध के तहत, एलटीटीएस अपनी इंजीनियरिंग क्षमताओं का उपयोग नोकिया की दूरसंचार प्रौद्योगिकी संबंधी परियोजनाओं में करेगा। एलटीटीएस नोकिया के लिए उत्पाद इंजीनियरिंग, सॉफ्टवेयर विकास, सिस्टम इंटीग्रेशन और उत्पाद सहायता सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग करेगा। इसमें अनुसंधान एवं विकास, नए उत्पादों का विकास और एम्बेडेड सिस्टम भी शामिल हैं। कंपनी भारत में एक समर्पित ऑफशोर डेवलपमेंट सेंटर (ओडीसी) स्थापित करेगी, जो नोकिया की इंजीनियरिंग और आरएंडडी पहलों में निरंतर सहयोग प्रदान करेगा। हालांकि, अनुबंध के वित्तीय विवरणों का खुलासा नहीं किया गया है। नोकिया के इंजीनियरिंग के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारत नोकिया के लिए नवाचार का एक महत्वपूर्ण केंद्र है और एलटीटीएस की इंजीनियरिंग विशेषज्ञता इस रणनीतिक क्षेत्र में हमारी आरएंडडी गतिविधियों का विस्तार करने में मदद करेगी। एलटीटीएस में रणनीतिक पहल के कार्यकारी निदेशक और अध्यक्ष अलिंद सक्सेना ने इस रणनीतिक सहयोग को एलटीटीएस और प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में खुलेंगे तीन एनएफओ

पावर, रियल्टी और डेट सेक्टर में निवेश का मौका

नई दिल्ली ।

अक्टूबर का आखिरी सप्ताह निवेशकों के लिए कई नए विकल्प लेकर आ रहा है। इस दौरान आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल, कोटक और यूटीआई म्यूचुअल फंड अपनी तीन नई स्कीमें (न्यू फंड ऑफर - एनएफओ) लॉन्च करेंगे। ये एनएफओ पावर, रियल एस्टेट और फाइनेंशियल सर्विसेज जैसे महत्वपूर्ण सेक्टर्स पर केंद्रित हैं, जो निवेशकों को अलग-अलग जोखिम प्रोफाइल और रिटर्न की संभावनाओं के साथ निवेश का मौका देंगे। न्यूनतम 500 रुपए से निवेश शुरू किया जा सकता है, लेकिन हर स्कीम की अपनी अनूठी रणनीति और जोखिम स्तर है, जिसे समझना जरूरी है।

1. आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बीएसई पावर ईटीएफ- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बीएसई पावर ईटीएफ 26 से 30 अक्टूबर, 2026 तक खुला रहेगा। यह एक ओपन-एंडेड इक्विटी थीमैटिक एनर्जी स्कीम है, जो बीएसई पावर टीआरआई के कुल रिटर्न के अनुरूप प्रदर्शन करने का लक्ष्य रखती है। न्यूनतम 1,000 रुपये के निवेश से शुरू होने वाली इस स्कीम में कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है, लेकिन रिस्कोमीटर पर इसे बहुत ज्यादा जोखिम की श्रेणी में रखा गया है। ट्रैकिंग एरर के कारण स्कीम का रिटर्न बेंचमार्क से अलग हो सकता है।

2. कोटक निफ्टी रियल्टी इंडेक्स फंड- इसी कड़ी में, कोटक म्युचुअल फंड का कोटक निफ्टी रियल्टी इंडेक्स फंड भी 26 अक्टूबर को खुलेगा और 9 नवंबर, 2026 तक उपलब्ध रहेगा। यह ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम निफ्टी रियल्टी टीआरआई को ट्रैक करेगी और रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनियों में निवेश करेगी। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपये का निवेश किया जा सकता है और यह भी बहुत ज्यादा जोखिम वाली श्रेणी में आता है, जिसमें ग्रोथ और इनकम डिस्ट्रीब्यूशन कम कैपिटल विदड्रॉल (आईडीसीडब्ल्यू) विकल्प उपलब्ध हैं।

3. यूटीआई फाइनेंशियल सर्विसेज डेट फंड- तीसरी पेशकश, यूटीआई म्युचुअल फंड की यूटीआई फाइनेंशियल सर्विसेज डेट फंड, 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2026 तक निवेशकों के लिए उपलब्ध होगी। यह एक ओपन-एंडेड डेट स्कीम है, जिसका उद्देश्य फाइनेंशियल सर्विसेज सेक्टर से जुड़ी संस्थाओं की डेट और मनी मार्केट सिक्योरिटीज में निवेश कर बेहतर रिटर्न देना है। न्यूनतम 500 रुपये से निवेश योग्य यह स्कीम मध्यम जोखिम की कैटेगरी में है, जो कम अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त हो सकती है।



सरकार चार सरकारी बैंकों में घटाएगी हिस्सेदारी

सरकार ओएफएस के माध्यम से अपनी अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचेगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, यूको बैंक, पंजाब एंड सिंध बैंक और इंडियन ओवरसीज बैंक में अपनी हिस्सेदारी घटाकर 75 फीसदी करने की योजना बना रही है। यह पहल बाजार नियामक सेबी के उस अनिवार्य नियम का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके तहत शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम जनता के पास होना आवश्यक है। वर्तमान में इन चारों सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में सरकार की हिस्सेदारी 75 फीसदी से काफी अधिक है। नियामक के दिशानिर्देशों का पालन करने के लिए, सरकार ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के माध्यम से अपनी अतिरिक्त हिस्सेदारी बेचेगी। इसके अतिरिक्त, बैंक खुद भी क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट जैसे तरीकों का उपयोग करके बाजार से फंड जुटा सकते हैं, जो मुख्य रूप से संस्थागत खरीदारों के लिए होगा। बैंक-वार हिस्सेदारी घटाने का विवरण इस प्रकार है-

1. सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया- सरकार की मौजूदा 81.19 फीसदी हिस्सेदारी को 75 फीसदी पर लाने के लिए लगभग 6.2 फीसदी हिस्सेदारी बेची जाएगी।

2. यूको बैंक- इसमें सरकार की 90.95 फीसदी हिस्सेदारी है, जिसे 75 फीसदी के स्तर पर लाने के लिए करीब 16 फीसदी हिस्सेदारी कम करनी होगी। यह ओएफएस और क्यूआईपी दोनों तरीकों से हो सकता है।

3. पंजाब एंड सिंध बैंक- यहां सरकार की हिस्सेदारी 93.85 फीसदी है, जिसके कारण लगभग 19 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की आवश्यकता होगी।

4. इंडियन ओवरसीज बैंक- बैंक में सरकार की 92.44 फीसदी हिस्सेदारी है, जिससे उसे अपनी हिस्सेदारी में लगभग 17.44 फीसदी की कटौती करनी होगी ताकि सेबी के न्यूनतम पब्लिक शेयरहोल्डिंग नियमों का पालन किया जा सके।



रुपया पांच पैसे टूटकर 94.98 प्रति डॉलर पर

- रुपया शुक्रवार को 94.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था



मुंबई।

पश्चिम एशिया में कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और भू-राजनीतिक तनाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे टूटकर 94.98 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बीच वैश्विक बाजारों में जोखिम लेने से बचने की प्रवृत्ति के कारण रुपये की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। हालांकि, अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी कोष बॉन्ड के प्रतिफल में नरमी से रुपये की गिरावट सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.92 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में यह और कमजोर होकर 94.98 प्रति डॉलर पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे कम है। रुपया शुक्रवार को 12 पैसे टूटकर 94.93 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत फिसलकर 101.49 पर रहा।

वॉकी-टॉकी बिक्री में बड़ी लापरवाही, 12 कंपनियों पर 58 लाख का जुर्माना

ग्राहकों को गुमराह करने पर सीसीपीए की ताबड़तोड़ कार्रवाई

नई दिल्ली ।

उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने वॉकी-टॉकी की ऑनलाइन बिक्री में ग्राहकों को गुमराह करने और आवश्यक जानकारी न देने के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई की है। प्राधिकरण ने होगार टेक्नोलॉजीज सहित कुल 12 कंपनियों पर 58 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है, जिसमें अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे दिग्गज भी शामिल हैं।

सीसीपीए ने वॉकी-टॉकी बेचने वाली कंपनी होगार टेक्नोलॉजीज पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

कंपनी पर आरोप है कि उसने अपनी वेबसाइट पर उत्पाद लिस्टिंग में डिवाइस की रेडियो फ्रीक्वेंसी, लाइसेंस की आवश्यकता और आवश्यक अनुमोदनों की जानकारी स्पष्ट रूप से नहीं दी, जिससे उपभोक्ता यह मान सकते थे कि बिना अनुमति उपयोग कर सकते हैं, जबकि कुछ को लाइसेंस अनिवार्य है। होगार की दलीलें सीसीपीए ने खारिज कर दीं।

यह कार्रवाई केवल होगार तक सीमित नहीं है। सीसीपीए ने ऑनलाइन वॉकी-टॉकी बिक्री में जानकारी की कमी पर व्यापक जांच शुरू की। जांच में 16,970 से अधिक ऐसी लिस्टिंग मिलीं, जिनमें जरूरी जानकारी का अभाव था। अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो, मेटा सहित 13 ई-कॉमर्स को नोटिस जारी हुए, और अब तक 12 कंपनियों पर कुल 58 लाख रुपये का जुर्माना लगा। अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और मेटा जैसे दिग्गजों पर 10-10 लाख रुपये, जबकि जियोमार्ट और होगार पर 1-1 लाख रुपये का जुर्माना लगा है।

सोने का भाव 1,42,450 रुपए, चांदी 1,96,350 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह जोरदार बिकवाली के दबाव में सोने चांदी की कीमतें काफी गिर गई थी। जिससे इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को निचले स्तर पर खरीद से इनकी शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि अभी भी सोना तीन के माह के निचले स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि चांदी 2 लाख रुपये से नीचे कारोबार कर रही है। सोमवार को ग्लोबल मार्केट कॉमेक्स पर सोने के वायदा भाव 4,025 डॉलर प्रति औंस के करीब, जबकि चांदी 54.30 डॉलर प्रति औंस के करीब कारोबार कर रही थी। घरेलू मार्केट एमसीएक्स पर खबर लिखे जाने के समय सोने के वायदा भाव 1,42,450 रुपये, जबकि चांदी के भाव 1,96,350 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे।सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई।

एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 277 रुपये की तेजी के साथ 1,42,301 रुपये के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 1,42,024 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 416 रुपये की तेजी के साथ 1,42,440 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट 538 रुपये की तेजी के साथ 1,96,257 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,95,719 रुपये था। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 656 रुपये की तेजी के साथ 1,96,375 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 4,20,048 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कॉमेक्स पर सोना 4,012.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 4,007.90 डॉलर प्रति औंस था। खबर लिखे जाने के समय यह 18 डॉलर की तेजी के साथ 4,025.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 54.29 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला क्लोजिंग प्राइस 53.94 डॉलर था। खबर लिखे जाने के समय यह 0.36 डॉलर की तेजी के साथ 54.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

म्युचुअल फंड में नए निवेशकों की रफ्तार सुस्त

एनएफओ से जुटाई रकम पांच साल के निचले स्तर पर



नई दिल्ली ।

म्युचुअल फंड उद्योग में नए निवेशकों के जुड़ने की रफ्तार लगातार दूसरे साल भी धीमी बनी हुई है। वित्तीय वर्ष 2026 में सितंबर तक, शेयर बाजारों में कमजोरी और नए फंड शुरू होने की गति में धीमेपन के बावजूद, इस उद्योग से केवल 44 लाख नए निवेशक जुड़े हैं। यह कोविड से प्रभावित वर्ष 2020 के बाद से सबसे धीमी रफ्तार है, जब उद्योग में केवल 10 लाख नए निवेशक जुड़े थे। सितंबर 2026 के अंत में, उद्योग में पंजीकृत यू निक फंड निवेशकों (पैन) की कुल संख्या 6.33 करोड़ थी। आमतौर पर फंड निवेशकों की संख्या में वृद्धि, साथ ही फोलियो और प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) जैसे आंकड़े शेयर बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करते हैं। 2021 और 2024 में जब शेयर बाजार में जोरदार तेजी आई थी, तब म्युचुअल फंड कंपनियों ने लगभग एक-एक करोड़ नए निवेशक जोड़े थे।

कोविड के बाद के बाकी वर्षों में यह संख्या लगभग 50-60 लाख रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, 2026 में बढ़ोतरी भले ही कम लग रही हो, लेकिन यह उद्योग की औसत वृद्धि दर के काफी करीब है। बाजार का प्रदर्शन अहम पैमाना है, लेकिन नए निवेशकों का जुड़ना म्युचुअल फंड कंपनियों द्वारा लॉन्च किए जाने वाले नए फंडों पर भी निर्भर करता है। पिछले दो वर्षों में नए फंड लॉन्च करने की संख्या और उनमें निवेशकों की रुचि दोनों में कमी आई है। अप्रैल-जून 2026 की तिमाही में नए फंड ऑफरिंग (एनएफओ) से मिलने वाली रकम गिरकर पांच साल के निचले स्तर, लगभग 1,759 करोड़ रुपये पर आ गई है। कड़े नियमों के कारण थीमैटिक फंड लॉन्च कम हो गए हैं, जो पहले बड़ी संख्या में नए पैन निवेशकों को आकर्षित करते थे। इस प्रकार, नए फंड लॉन्च करना जो पहले निवेशकों को जोड़ने का सबसे प्रभावी जरिया रहा है, अब काफी सुस्त पड़ गया है।

नवंबर में महंगा हो सकता है रसोई गैस सिलेंडर

एचपीसीएल को प्रति सिलेंडर 245 रुपए का नुकसान

नई दिल्ली।

दीवाली और छठ जैसे प्रमुख त्योहारों से पहले रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका ने उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ा दी है। हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) को घरेलू एलपीजी सिलेंडर पर भारी नुकसान झेलना पड़ रहा है, जिसके चलते नवंबर में कीमतों में वृद्धि की संभावना जताई जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार एचपीसीएल को वर्तमान में प्रति घरेलू सिलेंडर लगभग 245 रुपये का भारी नुकसान हो रहा है, जो नवंबर तक बढ़कर 327 रुपये तक पहुंच सकता है। इस संभावित घाटे की भरपाई के लिए कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। घरेलू एलपीजी की कीमतों में आखिरी बदलाव जून में 29 रुपये की बढ़ोतरी के साथ हुआ था, जबकि वाणिज्यिक सिलेंडरों की कीमतें इसी अक्टूबर में 62.50 रुपये बढ़ी थीं। हालांकि सोमवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव न होने से परिवारों को अस्थायी राहत मिली है। इसके बावजूद, होटलों और रेस्तरां जैसे व्यवसायों के लिए वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतें काफी ऊंची बनी हुई हैं। त्योहारों के दौरान रसोई गैस की खपत में भारी वृद्धि होती है, जिससे यह परिवारों और व्यवसायों दोनों के बजट का एक अहम हिस्सा बन जाता है। वर्तमान में दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू सिलेंडर 942 रुपये में उपलब्ध है, जबकि 19 किलोग्राम वाला वाणिज्यिक सिलेंडर 2,810 रुपये में मिल रहा है। हालांकि, कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन एचपीसीएल के बढ़ते घाटे को देखते हुए नवंबर में उपभोक्ताओं पर बोझ बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

आईपीएल ऑक्शन 16 दिसंबर को गोवा में होगा : इसी दिन भारत और श्रीलंका मैच; 15 नवंबर तक टीमें तय करेंगी किसे रखना है

2027 सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 16 दिसंबर को गोवा में होगी। इससे पहले सभी 10 टीमों को 15 नवंबर तक बताना होगा कि वे अपने मौजूदा खिलाड़ियों में से किन्हें साथ बनाए रखना चाहती हैं। 16 दिसंबर को ही भारत और श्रीलंका के बीच दूसरा वनडे बेंगलुरु में खेला जाना है। श्रीलंका की टीम 13 दिसंबर से भारत के दौरे पर रहेगी। इसमें 3 वनडे और 3 टी-20 खेले जाएंगे। पिछली तीन नीलामियां भारत से बाहर हुई थीं। 2024 में दुबई, 2025 के लिए सऊदी अरब के जेद्दा और 2026 में अबू धाबी में ऑक्शन हुआ था। नीलामी में हर टीम के मालिकों और अधिकारियों के अलावा कोचिंग स्टाफ शामिल होता है। इतने लोगों के लिए विदेश यात्रा, होटल, परिवहन और दूसरे इंतजाम करना खर्चीला होने के साथ-साथ जटिल भी होता है। इसीलिए इस बार का ऑक्शन भारत में हो रहा है। खिलाड़ियों को बनाए रखने की समय-सीमा खत्म होने के बाद ङ्कक्र सभी फ्रेंचाइजियों को नीलामी में उपलब्ध खिलाड़ियों की लिस्ट भेजेगा। टीमें इस सूची में से उन खिलाड़ियों को चुनेंगी जिन पर वे बोली लगाना चाहती हैं। इसके बाद अंतिम सूची तैयार होगी और नीलामी से पहले खिलाड़ियों के अलग-अलग सेटों में आने का क्रम भी बताया जाएगा। इस प्रक्रिया का मतलब है कि नीलामी के दिन ही टीमें पहली बार खिलाड़ियों के नाम नहीं देखेंगी। वे पहले से अपनी जरूरतों का आकलन करेंगी। जैसे किसी टीम को तेज गेंदबाज चाहिए, किसी को बीच के ओवरों में विकेट लेने वाला स्पिनर और किसी को दबाव में तेजी से रन बनाने वाला बल्लेबाज। इसके बाद तय बजट के हिसाब से खिलाड़ियों पर बोली लगाई जाएगी। कोलकाता नाइट राइडर्स ने 2026 की नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन पर 25.20 करोड़ खर्च किए थे। उनसे बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान की उम्मीद थी। 2026 सीजन में उन्होंने 14 मैचों में 322 रन बनाए और 7 विकेट लिए। उनका प्रदर्शन उपयोगी रहा, लेकिन इतने बड़े निवेश के हिसाब से टीम यह आकलन कर सकती है कि उन्हें बनाए रखना कितना फायदेमंद होगा। श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को कोलकाता ने ?18 करोड़ में खरीदा था। हालांकि चोट की वजह से वे पूरा सीजन नहीं खेल सके थे। ऐसे में च्यक्र उन्हें रिलीज कर सकती है चेन्नई सुपर किंग्स ने अनकैप्ड ऑलराउंडर प्रशांत वीर पर 2026 की नीलामी में 14.20 करोड़ खर्च किए थे। अनकैप्ड का मतलब ऐसे खिलाड़ी से है जिसने अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला हो। वीर ने ङ्कक्र 2026 में 6 मैच खेले और 90 रन बनाए। इतनी बड़ी रकम खर्च करने के बाद टीम सहमति से अपने खिलाड़ियों का ट्रांसफर कर सकती हैं। 2026 सीजन खत्म होने के बाद अब तक दो ट्रेड सामने आए हैं। जून में लखनऊ सुपर जायंट्स ने अपने कप्तान ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स के साथ ट्रेड किया और बदले में स्पिनर कुलदीप यादव को लिया। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने तेज गेंदबाज टी. नटराजन को सनराइजर्स हैदराबाद भेजा और बदले में लेग स्पिनर जीशान अंसारी को लिया। नियमों के मुताबिक ट्रेड विंडो एक सीजन खत्म होने के एक महीने बाद खुलती है। यह नीलामी से एक सप्ताह पहले तक चलती है और फिर अगले सीजन की शुरुआत से एक महीने पहले तक दोबारा जारी रह सकती है। सीजन की तारीखों को अभी अंतिम रूप नहीं दिया है। 2024 में बोर्ड ने अगले तीन सीजन के लिए 14 मार्च से 30 मई तक का संभावित आयोजन समय तय किया था। हालांकि, सितंबर 2026 में सचिव देवजीत सैकिया ने संकेत दिया था कि अगला सीजन मार्च के आखिरी हिस्से में शुरू हो सकता है। नीलामी की तैयारी के साथ एक और सवाल चर्चा में है। क्या ङ्कक्र में इम्पैक्ट प्लेयर नियम जारी रहेगा? इस नियम के तहत टीम मैच के दौरान एक खिलाड़ी की जगह दूसरे खिलाड़ी को मैदान पर उतार सकती है। ने फ्रेंचाइजियों से इस नियम पर लिखित प्रतिक्रिया मांगी थी। कई टीमें इसे हटाने के पक्ष में हैं, जबकि कुछ का कहना है कि उन्होंने इसी नियम को ध्यान में रखकर अपनी टीम तैयार की है। इसलिए इसे तुरंत हटाने या जारी रखने पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है।



कैसे बनीं दीप्ति दुनिया की बेस्ट विमेंस ऑलराउंडर हॉकी बॉल से छक्के लगाने की प्रैक्टिस की

क्रिकेट में शतक लगाना किसी भी बल्लेबाज के लिए बड़ी उपलब्धि होती है। लेकिन क्या हो, जब 113 रन की पारी खेलने के बाद भी कोच कहे कि बल्लेबाजी में कमी रह गई? भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा के करियर में ऐसा ही एक वाकया हुआ। 1 अप्रैल 2021 को घरेलू वनडे टूर्नामेंट में बंगाल की ओर से खेलते हुए दीप्ति ने रेलवे के खिलाफ शतक लगाया। सामने अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाज थे। इसके बावजूद बंगाल के कोच चरणजीत सिंह का मानना था कि दीप्ति अपनी पारी में 25-30 रन और जोड़ सकती थीं। यह आलोचना उनके शतक को कमतर दिखाने के लिए नहीं थी। कोच ने बल्लेबाजी की एक खास कमी पहचानी थी। दीप्ति ऑफ-साइड में आसानी से रन नहीं बना पा रही थीं। यहीं से शुरू हुई दीप्ति की खुद को बेहतर बनाने की कोशिश। उन्होंने अपनी कमियों को स्वीकार किया, कोच से मदद मांगी और उन शॉट्स पर मेहनत की, जिनमें वह पीछे रह रही थीं।



दीप्ति ने 17 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। 2017 में उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ 188 रन की पारी खेली। यह भारतीय महिला क्रिकेट में वनडे का रिकॉर्ड व्यक्तिगत स्कोर बना हुआ है। दीप्ति की तकनीक अच्छी थी, लेकिन उनकी बल्लेबाजी की कुछ सीमाएं भी सामने आने लगीं। वह पारी की शुरुआत धीमी करती थीं, विकेटों के बीच दौड़कर रन लेने में उतनी तेज नहीं थीं थी। इसी कारण वनडे में उन्हें नंबर-1 से लेकर नंबर-9 तक अलग-अलग क्रम पर आजमाया गया। टीम को यह तय करने में मुश्किल होती रही कि उनकी बल्लेबाजी का सबसे अच्छा इस्तेमाल कहां किया जाए। कई बार स्मृति मंधाना या शेफाली वर्मा की तेज शुरुआत के बाद रन बनाने की गति धीमी पड़ जाती थी। मध्य ओवरों में रन कम बनने से दूसरे बल्लेबाजों पर ज्यादा जोखिम लेने का दबाव आता था। इस तरह दीप्ति की बल्लेबाजी की समस्या सिर्फ उनका व्यक्तिगत मामला नहीं था। इसका असर पूरी टीम पड़ता था। जब दीप्ति को अपनी कमियों का अहसास हुआ, तो उन्होंने खुद समाधान खोजने की कोशिश की। उन्होंने चरणजीत सिंह से संपर्क किया। कोविड-19 के दौरान उन्होंने कोच के साथ बैट की स्पीड बढ़ाने, छोटी गेंदों को पुल करने और गेंद को बेहतर तरीके से उठाकर मारने पर काम किया। चरणजीत ने इसके साथ ऑफ-साइड में शॉट खेलने की क्षमता सुधारने पर भी जोर दिया। उनका लक्ष्य था कि दीप्ति कट शॉट खेल सकें और गेंद को मिड-ऑफ की दिशा में भी ताकत से मार सकें। । दीप्ति की ट्रेनिंग का एक तरीका सामान्य क्रिकेट अभ्यास से अलग था। चरणजीत ने उन्हें हॉकी बॉल, टेनिस बॉल और दूसरी तरह की गेंदों से शॉट लगाने का अभ्यास कराया। इसका उद्देश्य सिर्फ ताकत बढ़ाना नहीं था, बल्कि अलग-अलग गति और उछाल वाली गेंदों पर समय रहते बल्ला चलाना सीखना था। हॉकी बॉल से अभ्यास करने के पीछे खास तर्क था। कोच के मुताबिक, इस गेंद से बल्लेबाज की बैट-स्पीड और गेंद को सही समय पर हिट करने की क्षमता की परीक्षा होती है। चरणजीत ने दीप्ति की गेंदबाजी सुधारने के लिए भी अलग-अलग तरीके अपनाए। उन्हें अलग आकार और वजन की गेंदों से गेंदबाजी कराई गई। अभ्यास में पत्थरों का इस्तेमाल भी किया गया। एक ड्रिल में दीप्ति को टायर के बीच बने छोटे से खाली हिस्से से गेंद निकालने की कोशिश करनी होती थी। इसका पहला मकसद गेंद पर नियंत्रण और सटीकता बढ़ाना था। जब गेंदबाज को छोटे लक्ष्य पर गेंद डालने की आदत पड़ती है, तो सामान्य गेंद से अभ्यास करते समय लाइन और लेंथ पर नियंत्रण बेहतर करने में मदद मिल सकती है। जून 2022 से पहले और उसके बाद के आंकड़ों की तुलना में दीप्ति की बल्लेबाजी की गति में सुधार दिखाई देता है। स्ट्राइक रेट बताता है कि बल्लेबाज हर 100 गेंदों पर औसतन कितने रन बना रहा है। वनडे में उनका स्ट्राइक रेट 64.9 से बढ़कर 86.22 हो गया। टी-20 इंटरनेशनल में यह 90.21 से बढ़कर 121.21 पहुंचा। इसका मतलब है कि टी-20 में वह पहले के मुकाबले तेजी से रन बनाने लगीं।

ईशान किशन न्यूज़ीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से भी बाहर : चोट के कारण दूसरा मैच नहीं खेला था

ईशान किशन चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे ञ्च20 मैच से भी बाहर हो गए हैं। यह मैच मंगलवार को वेलिंग्टन में खेला जाएगा। उनकी जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका मिल सकता है। ईशान जांघ की मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 24 अक्टूबर को दूसरे मैच में भी नहीं खेले थे। टीम इंडिया ने यह मुकाबला 4 विकेट से जीता था। अब टीम की नजर तीसरा ञ्च20 जीतकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त लेने पर है। गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने सोमवार को कहा कि ईशान की रिकवरी अच्छी चल रही है। वे ट्रेनिंग में हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन तीसरे ञ्च20 के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उन्हें एहतियात के तौर पर आराम दिया जा रहा है। ईशान को 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले ञ्च20 के दौरान चोट लगी थी। मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर नजर रख रही है। ईशान इस साल टी-20 इंटरनेशनल मैचों में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय हैं। वैभव को फिर मिल सकता है मौका वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में फिर मौका मिल सकता है। वैभव दूसरे टी-20 में ईशान की जगह तीसरे नंबर पर बैटिंग करने उतरे थे। वे मैच में सिर्फ 4 रन बना पाए थे। बीसीसीआई ने ईशान की जगह कुमार कुशाग्र को टीम में शामिल किया है, लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की उम्मीद कम है। मोर्ने मोर्कल ने ईशान की चोट की अपडेट देने के अलावा टीम के गेंदबाजों के वर्कलोड पर भी बात की। उन्होंने बताया कि टीम मैनेजमेंट 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले कुछ गेंदबाजों को बैकअप के तौर पर न्यूजीलैंड में रोक सकता है। इनमें टी-20 सीरीज में खेल रहे अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं। टेस्ट सीरीज 19 नवंबर से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह समेत सभी गेंदबाजों को वनडे और टेस्ट के लिए तैयार रखने की योजना बनाई गई है। टीम का लक्ष्य खिलाड़ियों का वर्कलोड संतुलित रखना और थकान के कारण चोट के जोखिम को कम करना है।



बिग बॉस 20: 'कुछ शब्द असंवेदनशील थे' बिना नाम लिए काशवी ने किससे मांगी माफी स्काउट और लव की लगाई थी क्लास

बीते दिन 'वीकएंड का वार' एपिसोड में स्काउट ओपी की गर्लफ्रेंड काशवी शो पर पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने स्काउट को खूब खरी-खोटी सुनाई, साथ ही लव गिल से भी तीखे सवाल किए। बीते कुछ एपिसोड में लव गिल और स्काउट के बीच जिस तरह की कथित करीबी देखने को मिली, उस पर काशवी नाराज दिखीं। हालांकि, शो से जाने के बाद उन्होंने सफाई पेश की है। आखिर क्यों रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में स्काउट ओपी उर्फ तन्मय और लव गिल के बीच अच्छी बॉन्डिंग देखने को मिली। वैसे तो स्काउट ने शो में कहा कि वे लव को अपनी बहन मानते हैं। मगर, कुछ एपिसोड में दोनों के बीच ऐसी चीजें देखने को मिली, जिसके बाद उनके रिश्ते पर सवाल उठने लगे। स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी भी इससे असहज और आहत हुईं और बीते दिन शो में आकर उन्होंने स्काउट और लव दोनों की क्लास लगा दी। स्काउट पर नाराजगी जाहिर करते वक्त



काशवी ने यह तक कह दिया कि 'आप इतना इमोशनली मैनिपुलेट हो चुके हो। उसने आपको फंसाया। ट्रैप में डाला और आप फंस चुके हो'। काशवी का इशारा लव की तरफ था। इसके बाद काशवी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। लव गिल को निशाना बनाए जाने पर उनकी ओलचना हो रही है। इसके बाद काशवी ने सफाई दी है। उन्होंने अपनी कही बातों पर खेद जताया है। काशवी ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट लिखा है। काशवी ने लिखा है, 'मेरा इरादा स्काउट से बात करना था। उसकी गलतियों को बताना था, जो मुझे लगा कि उसने की हैं। उसके कामों के लिए उसे जिम्मेदार ठहराना था। हालांकि, ऐसा करते हुए मुझे एहसास हुआ कि मैंने जो कुछ शब्द इस्तेमाल किए, वे इसमें शामिल दूसरे लोगों के लिए असंवेदनशील थे। उस वक्त मैं चाहे, जो भी महसूस कर रही थी, किसी और के इरादों या कैरेक्टर पर जजमेंट देना मेरा काम नहीं है'। काशवी आगे लिखती हैं, 'मैं खुद को बेहतर तरीके से बती सकती था। मेरा कभी भी किसी दूसरी महिला से नफरत करने या किसी को उसे टारगेट करने के लिए उकसाने का इरादा नहीं था। मैं समझती हूं कि शब्दों का वजन होता है। मैं इस बात की जिम्मेदारी लेती हूं कि वे कैसे लगे होंगे। आगे लिखा है, 'उन्हें पता है कि वह क्या कर रही हैं। यह उनकी स्ट्रेटेजी है। उनके बारे में कंटेंट देखकर मेरे इमोशन धुंधले हो गए थे, लेकिन मुझे पहले से पता होना चाहिए था। उन्हें कुछ भी बताना मेरा काम नहीं है। मैं यह मानती हूं और उन सभी से सच में माफी मांगती हूं, जिन्हें मैंने दुख पहुंचाया है'। काशवी ने किसी का नाम नहीं लिखा, मगर उनके इस पोस्ट को लव गिल से जोड़कर देखा जा रहा है। बता दें कि इस बार वीकएंड का वार एपिसोड सलमान खान ने नहीं, बल्कि रोहित शेट्टी ने होस्ट किया था। शो में रोहित शेट्टी ने ही पहले तो लव और स्काउट को फटकारा। फिर, काशवी आईं और उन्होंने स्काउट से सीधे पूछा कि, 'मसाज पार्लर कैसा चल रहा है' स्काउट एकदम सकपका गए।

रजनीकांत: 'जेलर 2' ने तोड़े कई रिकॉर्ड, बनी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली पहली तमिल फिल्म

रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' भारत ही नहीं दुनियाभर में शानदार कमाई कर रही है। अब इस फिल्म ने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। साउथ के दिग्गज कलाकार रजनीकांत की फिल्म 'जेलर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर दिया है। फिल्म जबरदस्त कमाई कर रही है। अब रजनीकांत ने बॉक्स ऑफिस पर एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है और कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। 'जेलर 2' ने रिलीज के 11वें दिन यानी रविवार को भारत में 25.70 करोड़ रुपये की नेट कमाई की। यह बुधवार के बाद फिल्म की एक दिन में सबसे ज्यादा कमाई है। वहीं खबर लिखे जाने तक आज की कमाई मिलाकर भारत में फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 401.01 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, फिल्म की ग्रॉस कमाई 466.85 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। फिल्म ने अब घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 400



करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर दिया है। 'जेलर 2' ऐसा करने वाली तीसरी तमिल फिल्म बन गई है। इससे पहले 'जेलर' के पहले भाग और विजय की फिल्म 'लियो' ने यह उपलब्धि हासिल की थी। भारत के साथ-साथ विदेशी बाजारों में भी 'जेलर 2' का शानदार प्रदर्शन जारी है। फिल्म ने 11 दिनों में विदेशों से 25.6 मिलियन डॉलर यानी करीब 214 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का दुनियाभर में कुल ग्रॉस कलेक्शन 710 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। 'जेलर 2' ने रविवार को दुनियाभर में कमाई के मामले में '2.0' का रिकॉर्ड तोड़ दिया। रजनीकांत और अक्षय कुमार की फिल्म '2.0' ने दुनियाभर में करीब 691 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया था। यह रिकॉर्ड पिछले 8 साल से कायम था।'जेलर 2' ने इससे पहले अपनी पहली फिल्म 'जेलर' के 604 करोड़ रुपये और विजय की 'लियो' के करीब 605 करोड़ रुपये के लाइफटाइम कलेक्शन को भी पीछे छोड़ दिया था। अब 710 करोड़ रुपये की कमाई के साथ 'जेलर 2' सबसे ज्यादा कमाई करने वाली तमिल फिल्म बन गई है। यह दुनियाभर में 700 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करने वाली पहली तमिल फिल्म भी है। इसके अलावा, यह उपलब्धि हासिल करने वाली 7वीं दक्षिण भारतीय और कुल 18वीं भारतीय फिल्म बन गई है। नेल्सन दिलीपकुमार के निर्देशन में बनी 'जेलर 2' को कलानिधि मारन ने 'सन पिक्चर्स' बैनर के तहत प्रोड्यूस किया है। यह 2023 में आई फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है। रजनीकांत के साथ राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और ऋत्विक ने वापसी की है, जो पहली फिल्म में थे। इस सीक्वल में एस.जे. सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, सूरज वेंजारामूडु और विद्या बालन भी नजर आ रहे हैं। मोहनलाल, शिव राजकुमार और जैकी श्रॉफ ने कैमियो किया है।

बेपरवाह फर्स्ट लुक: गैंगस्टर बने अहान पांडे, किसके साथ लड़ाएंगे इश्क यशराज ने जारी किया फिल्म का पहला पोस्टर

बॉलीवुड अभिनेता अहान पांडे की नई फिल्म का ऐलान हो गया है। वह अली अब्बास जफर की फिल्म में शरवरी के साथ दिखाई देंगे। सोमवार को मेकर्स ने पोस्टर जारी करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया। मोहित सूरी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सैयारा' से बॉलीवुड में शानदार डेब्यू करने वाले अभिनेता अहान पांडे की अगली फिल्म का पोस्टर, टाइटल और रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। यशराज फिल्म्स ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए बताया कि फिल्म का टाइटल 'बेपरवाह: फियरलेस इन लव' होगा, जिसमें अहान के साथ शरवरी नजर आने वाली हैं। इस रोमांटिक एक्शन-ड्रामा फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर करेंगे। वहीं, आदित्य चोपड़ा ने फिल्म को प्रोड्यूस किया है। फिल्म में रोमांस के साथ जबरदस्त एक्शन और इमोशन का तड़का देखने को मिलेगा। बॉलीवुड में नई जोड़ियों को देखने के लिए दर्शक हमेशा उत्साहित रहते हैं। अब अहान और शरवरी भी पहली बार साथ में स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। फिल्म के पोस्टर में देखने को मिलता है कि अहान और शरवरी के किरदारों के चेहरे छिपे हुए हैं। एक तरफ अहान के हाथ में बंदूक नजर आ रही है, तो उनके चेहरा और कपड़े खून से सने हुए हैं। वहीं, शरवरी के साथ में गिटार नजर आ रहा है। पोस्टर में दोनों ने अपने सिर को टकराते नजर आ रहे हैं। इसके अलावा बैकग्राउंड में म्यूजिक के साथ अहान की आवाज सुनाई दे रही है, जिसमें वो कह रहे हैं कि 'बेपरवाह है इश्क, क्या करूं बेपरवाह, बेइंतहा करूं, कोई भी आए तो... सब तबाह, तबाह, तबाह करूं।' बता दें कि 'बेपरवाह' यशराज फिल्म्स के साथ जफर की पांचवीं कोलेबोरेशन होगी। उन्होंने पहले इस बैनर के लिए 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' डायरेक्ट की हैं। इस पोस्ट पर अभिनेत्री और अहान पांडे की रूमर्ड गर्लफ्रेंड अनीत पड्डा ने भी अपना रिएक्शन दिया है।

करण जौहर ने बात करना बंद किया तो

जान्हवी कपूर

का बढ़ गया था वजन, एक्ट्रेस ने किया खुलासा



करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण' का नेक्स्ट एपिसोड काफी मजेदार होने वाला है. अगले एपिसोड में करण के मेहमान जान्हवी कपूर और वरुण धवन बनने वाले हैं. करण ने अपकमिंग एपिसोड का प्रोमो भी जारी किया है. शो के नए प्रोमो से साफ है कि आने वाला एपिसोड हंसी-मजाक और मजेदार खुलासों से भरपूर होगा. प्रोमो में जाह्नवी और वरुण अपने बेबाक अंदाज में दिखाई दे रहे हैं. दोनों करण जौहर के साथ पुरानी बातों को याद करते हुए मजाक करते नजर आ रहे हैं.प्रोमो की शुरुआत की काफी धमाकेदार तरीके से होती है. करण जान्हवी और वरुण को इंट्रोड्यूस करते हुए कहते हैं कि, आज जो आ रहे हैं वो संस्कारी नही हैं. इसके बाद जान्हवी और वरुण की एंट्री होती है और दोनों खूब हंसी मजाक करते हैं. इस एपिसोड में जान्हवी ने एक खुलासा भी किया है और बताया है कि एक बार करण जौहर ने उनसे बात बंद कर दी थी, जिसके बाद एक्ट्रेस का वजन बढ़ गया था.

जान्हवी ने किया बड़ा खुलासा

प्रोमो में वरुण धवन ने बताया कि करण जौहर ने उनसे और जान्हवी कपूर से बात करना बंद कर दिया था. इस पर करण ने कहा, मुझे तुम दोनों से दुख पहुंचा था. इसके जवाब में जान्हवी ने मजाकिया अंदाज में कहा, जब हमारी बात बंद हुई थी, तब मेरा वजन बढ़ गया था. वरुण ने भी करण की खिंचाई करते हुए कहा, करण, आपने बहुत ड्रामेबाजी वाली बातें कही थीं. आप कभी खुशी कभी गम के अमिताभ बच्चन बन गए थे, जो कहते हैं, मैं बड़ा हूं, मेरा हक है.

अर्जुन कपूर ने दी सरप्राइज एंट्री

कॉफी विद करण के इस प्रोमो में अर्जुन कपूर भी खास मेहमान के तौर पर नजर आए. उन्हें देखकर जान्हवी और वरुण दोनों हैरान रह गए. शो के दौरान तीनों ने करण जौहर के साथ रवि किशन के मशहूर मीम मनी फॉलोज माय ब्रदर पर भी चर्चा की. प्रोमो इतना मजेदार है कि अब फैंस इस एपिसोड का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

बिग बॉस बांग्ला में Liplock से आगे बढ़ी बात, इन 2 कंटेस्टेंट्स ने पार की हदें, सौरव गांगुली गुस्से से हुए लाल



रिएलिटी शो बिग बॉस एक ऐसा शो है, जो देश में इस वक्त करीब 6 भाषाओं में चल रहा है. इसका हिंदी वर्जन सबसे ज्यादा हिट है, जिसे सलमान खान होस्ट करते हैं. वहीं बिग बॉस को एक बार फिर सौरव गांगुल होस्ट कर रहे हैं. पर बिग बॉस बांग्ला में इस बार दो कंटेस्टेंट्स ने ऐसी हदें पार की हैं, कि इसकी चर्चा पूरे देश में होने लगी. फैमिली शो में दो कंटेस्टेंट्स के इंटिमेट होने पर शो के होस्ट सौरव गांगुली का पारा सातवें औसमान पर पहुंच गया और दोनों को लास्ट वार्निंग दे डाली.बिग बॉस बांग्ला के कई वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं. ये वीडियो राजवीर डे और नंदिनी गुप्ता के हैं. वीडियो में दिख रहा है कि राजवीर और नंदिनी सैकड़ों कैमरो के बीच भी कभी लिप लॉक कर रहे हैं तो कभी एक दूसरे के साथ इंटिमेट हो रहे हैं. दोनों का ये रोमांस इंटरनेट पर आग की तरह फैल गया है और लोग सवाल पूछ रहे हैं कि फैमिली शो में ये सब कैसे हो रहा है. कई लोग इन दोनों की तुलना बिग बॉस हिंदी के स्काउट ओपी और लव गिल के रोमांस से कर रहे हैं.

दादा की फाइनल वार्निंग

बिग बॉस बांग्ला के वीकेंड सेगमेंट, जिसे 'दादर दरबार' कहते हैं, उसमें सौरव गांगुली ने राजवीर और नंदिनी की जमकर क्लास लगाई. इंटिमेट सीन्स को लेकर भड़कते हुए दादा ने कहा कि दर्शकों को शुरुआत में आप लोगों का रोमांटिक बॉन्ड पसंद आ रहा था, लेकिन अब आप दोनों ने लाइन क्रॉस कर दी है.

आप लोग इस शो के लायक नहीं.....

सौरव गांगुली ने कहा कि रोमांस करना मुद्दा नहीं है, लेकिन कंटेस्टेंट्स को इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि उनके व्यवहार से फैमिली ऑडियंस अनकंफर्टेबल नहीं होना चाहिए. उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आगे ये सब जारी रहा तो सख्त एक्शन लिया जाएगा. उन्होंने कहा, राजवीर और नंदिनी को ये फानल वार्निंग है. ये एक फैमिली शो है, आप लोगों का जो आचरण है, उसकी वजह से मैं और बिग बॉस ये कहने को मजबूर हो गए हैं कि आप लोग इस शो के लायक ही नहीं है.

ज्यादा बॉडी पेन है तो बताओ, एक डॉक्टर...रोहित शेट्टी ने लव गिल की ऐसे लगाई क्लास



बिग बॉस के घर में लव गिल और स्काउट ओपी की केमिस्ट्री पर सोशल मीडिया पर जमकर बहस छिड़ी हुई है. दोनों एक तरफ तो एक दूसरे को भाई-बहन बताते हैं, लेकिन साथ ही ऐसी हरकतें भी करते हैं जो लोगों को पसंद नहीं आती. स्काउट तो एक बार लव को लेकर अपनी फीलिंग्स भी बयान कर चुके हैं. अब रोहित शेट्टी ने वीकेंड का वार में दोनों के करीबी का मुद्दा उठाया है. शो के दौरान रोहित ने पहले तो दोनों की क्लास लगाई और उसके बाद मजाक मजाक में उन्होंने लव गिल पर निशाना साधा. लव गिल के बॉडी पेन का उन्होंने मजाक उड़ाया.लव गिल अक्सर स्काउट से कभी अपने हाथ, तो कभी पैर तो कभी कंधा और गला दबवाती नजर आती हैं. स्काउट भी उनको कभी मना नहीं करते. हद तब हो जाती है जब कंबल के अंदर हाथ डालकर पैर दबाया जाता है. ऐसे में रोहित शेट्टी ने लव गिल के बॉडी पेन (शरीर के दर्द) को लेकर अलग से बात की. उन्होंने तंज़ के अंदाज़ में कहा, लव, कलर्स का होस्ट हूं मैं. बहुत होल्ड है मेरा. बहुत ज्यादा बॉडी पेन है तो बोलो, मैं एक डॉक्टर बुलाता हूं, ब्लड टेस्ट करेंगे.

दर्द के लिए इंजेक्शन लगवाने की बात कही

रोहित आगे कहते हैं, फटाफट लैब में टेस्ट देते हैं, हो सकता है विटामिन ष्ठ3 और क्ष्ा2 की कमी हो. शाम तक रिपोर्ट आएगी, तीन इंजेक्शन लगेंगे ष्ठ3 के पूरे हफ्ते में, 12 इंजेक्शन B12 के, पूरा दर्द गायब. रोहित ये बातें हंसते हुए और तंज़ के अंदाज़ में कहते हैं. इस पर लव जवाब में कहती हैं, हम्म चल रहा है सर ट्रीटमेंट.

रोहित इसके बाद गंभीर अंदाज़ में कहते हैं, लव अगर आप स्काउट को रियल में भाई मानती हैं, और स्काउट कोई जरूरत नहीं है आज के बाद पैर वैर दबाने की, मैं ये बोल सकता हूं, आगे आपकी मर्जी.रोहित शेट्टी की सलाह पर स्काउट अपना बचाव करते हुए कहते हैं, माही जी जब बोलती हैं, माही जी का भी कर देता हूं. इस पर रोहित उन्हें रोकते हुए कहते हैं, एक सेकंड, मैं जब बोल रहा हूं कि मैं डिटेल में देख कर आया हूं.

रोहित ने यंग का दिया उदाहरण

इस दौरान रोहित शेट्टी यंग को बीच में लाते हैं और कहते हैं, यंग कुछ दिन पहले तुम माही का हाथ-पैर नहीं दबा रहे थे?इस पर यंग कहते हैं, हां सर, कलदबा रहा था. तो रोहित कहते हैं, मैं उसके बारे में क्यों नहीं बात कर रहा हूं? यंग कहते हैं, सर क्योंकि मैं वो एकदम तरीके से कर रहा था. यंग का बीत पर स्काउट भड़क जाते हैं और कहते हैं कि क्या मैं तरीके से नहीं कर रहा था. इस बीच यंग और स्काउट में बहस हो जाती है. यंग कहते हैं कि सर वो ब्लैंकेट के बाहर था.

जेलर 2 के सामने

आयुष्मान खुराना

की फिल्म का बोलबाला, दो दिन में कमा डाले 16 करोड़ रुपये

सारा अली खान और आयुष्मान खुराना की उड़ता तीर सिनेमाघरों में उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म करने में सफल रही है. नए जॉनर्स के साथ एक्सपेरिमेंट काफी पसंद किए जा रहे हैं और इसका उदाहरण ये फिल्म है. उड़ता तीर ने रिलीज के 2 दिन में 8 करोड़ की एवरेज से कलेक्शन किया है. जबकी फिल्म का बजट औसत है. इस लिहाज से देखा जाए तो फिल्म के लिए बजट निकालना और 100 करोड़ तक अपनी कमाई को ले जाना इतना मुश्किल नहीं होगा. अभी रविवार के दिन की कमाई के आंकड़े आने बाकी हैं. जैसी परफॉर्मेंस पिछले 2 दिनों में फिल्म की रही है उसके मुताबिक तो रविवार को फिल्म डबल डिजिट में कमाई कर सकती है.आयुष्मान खुराना और सारा अली खान की जोड़ी को फैंस ने पति पत्नी और वो फिल्म में भी पसंद किया था. अब इस फिल्म में भी दोनों की जोड़ी का जादू फैंस को रास आ रहा है. आइए जानते हैं कि जेलर 2 जैसी हाई वोल्टेज फिल्म के सामने उड़ता तीर का निशाना बॉक्स ऑफिस पर कितना सटीक लगा है.



उड़ता तीर ने कितने रुपये कमाए ?

उड़ता तीर फिल्म ने सिनेमाघरों में ओपनिंग डे पर सैकनिल्क की रिपोर्ट्स के मुताबिक 4.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था. वहीं रिलीज के दूसरे दिन इस फिल्म की कमाई में इजाफा देखने को मिला और इसका कलेक्शन 7.25 करोड़ रुपये तक पहुंच गया. इस लिहाज से फिल्म का 2 दिनों का नेट कलेक्शन 11.35 करोड़ रुपये का हो चुका है. वहीं दूसरी तरफ ग्रॉस कलेक्शन के मामले में उड़ता तीर ने 13.53 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. ओवरसीज कलेक्शन के मामले में इस फिल्म ने 1.50 करोड़ रुपये की कमाई की है. वहीं इसे मिला लिया जाए तो फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन दो दिनों में 16.28 करोड़ रुपये का हो चुका है. फिल्म का अनुमानित बजट 65 करोड़ रुपये का माना जा रहा है. मतलब रविवार के दिन की कमाई के जरिए ये फिल्म अपने बजट का आधा कमा ले जाएगी.

